Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 185 | मंगलवार, 14 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट, ट्रस्ट को जारी किया नोटिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इनके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या के राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्रीराम जन्मभमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से मामले की जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। इस मामले पर अब अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी।

जांच की स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में देने का निर्देश

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पीठ के समक्ष पेश हुए। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राम मंदिर ट्रस्ट को नोटिस टालने की अपील की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड को भी संरक्षित करने की जरूरत थी। साथ ही याचिकाकताओं ने मांग की कि उन्हें भी जांच की स्टेटस रिपोर्ट मुहैया कराई जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकताओं की इस मांग को खारिज कर दिया और कहा कि 'हम इस बारे में बाद में देखेंगे क्योंकि अभी जांच जारी है।'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने रिट याचिका दायर की है। इनके अलावा अजय कुमार राय और अन्य की ओर से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और अन्य के खिलाफ दायर एक क्रिमिनल रिट याचिका और आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की एक अलग याचिका शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से कर दिया था इनकार

इससे पहले, जब जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और शील नागू की पीठ के सामने गोस्वामी की याचिका का जिक्र किया गया था, तो सुप्रीम कोर्ट ने उस पर तुरंत सुनवाई करने से इंकार कर दिया था। याचिकाकर्ता ने मामले को तुरंत लिस्ट करने पर जोर दिया था और कहा था कि लगाए गए आरोप बहुत गंभीर हैं।

मामले की तात्कालिकता पर सवाल उठाते हुए न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया था कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद शीर्ष अदालत के फिर से खुलने पर इस मामले को सूचीबद्ध किया जाए। गोस्वामी की याचिका में राम जन्मभूमि मंदिर में किए गए दान से संबंधित अभिलेखों और साक्ष्यों के संरक्षण और मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता लाने के निर्देश देने की मांग की है। याचिका के अनुसार, सार्वजनिक मंदिर में किसी देवता को चढ़ाया गया चढ़ावा पवित्र न्यास संपत्ति है, जो एक कानूनी इकाई के रूप में देवता में निहित होती है और ऐसे चढ़ावे का प्रबंधन करने वाले व्यक्ति पारदर्शिता, जवाबदेही और संरक्षण के कर्तव्यों से बंधे न्यासी होते हैं।

मंदिरों के दान को सुरक्षित बनाने के लिए निर्देश देने की मांग

सुप्रीम कोर्ट से यह भी अपील की गई थी कि वह राष्ट्रीय महत्व के मंदिरों में जनता से मिलने वाले दान और चढ़ावे को पारदर्शी तरीके से संभालने के लिए कम से कम संवैधानिक सुरक्षा उपाय बनाने का निर्देश दे। इस बीच, सांसद सुधाकर सिंह ने चल रही जांच को सुप्रीम कोर्ट की सीधी निगरानी में सीबीआई को सौंपने की मांग की है। उनकी याचिका में ट्रस्ट के धर्मनिरपेक्ष वित्तीय मामलों की देखरेख के लिए रिटायर न्यायिक अधिकारियों और वित्तीय विशेषज्ञों की एक अस्थायी, कोर्ट की निगरानी वाली समिति बनाने, सभी वित्तीय रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने, जांच पूरी होने तक बड़े वित्तीय फैसलों पर रोक लगाने, व्यापक फॉरेंसिक ऑडिट कराने और ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑडिट किए गए वित्तीय स्टेटमेंट और दान का विवरण प्रकाशित करने की भी मांग की गई है।

भारी बारिश और भूस्खलन से भारी तबाही, 7 की मौत और 97,000 लोग बुरी तरह प्रभावित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के कई ज़िलों में नई बाढ़ और बारिश की वजह से हुए भूस्खलन से भारी तबाही हुई। इससे सड़कें, पुल, स्कूल और दूसरे सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचा और कई इलाकों का संपर्क टूट गया। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एएडउ) के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, लगातार बारिश के कारण कुरुंग कुमे ज़िले में अचानक बाढ़ आ गई और पाक्के केसांग, पश्चिम कामेंग और पापुम पारे ज़िलों में भूस्खलन हुआ। इस बाढ़ और बारिश से मरने वालों की संख्या सात बनी हुई है और राज्य के सभी 26 ज़िलों में 97,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा असर कुरुंग कुमे ज़िले में देखा गया, जहाँ कुमे नदी के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण सोमवार सुबह पारसी-पारलो सर्कल और दामिन सब-डिविजन में अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ के पानी ने हुरी और दामिन को जोड़ने वाले पुल को बहा दिया, जिससे सब-डिविजन का सड़क संपर्क टूट गया। पारसी-पारलो सर्कल में, बाढ़ का पानी इंस्पेक्शन बंगले में घुस गया, जिससे दो रिहायशी मकानों और एक चर्च को आंशिक रूप से नुकसान पहुँचा और पागम गाँव को जोड़ने वाला पुल बह गया। बाढ़ ने इलाके के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक, सेंट थॉमस स्कूल को भी भारी नुकसान पहुँचाया। पूरा कैंपस पानी में डूब गया, जिससे क्लासरूम, स्कूल की इमारतें, पढ़ाने का सामान, फर्नीचर, उपकरण और टीचरों के क्वार्टर को नुकसान पहुँचा। स्कूल में पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी गतिविधियाँ अगले आदेश तक रोक दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि अचानक आई बाढ़ से कुरुंग कुमे में ट्रांसपोर्ट, पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और घरों को काफी नुकसान पहुँचा है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर 136 साल पुरानी मस्जिद में नमाज पढ़ने पर लगी रोक

दो नये कानूनों के जरिये सुवेंदु ने दंगाइयों पर शिकंजा और कसा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता हवाई अड्डे के भीतर स्थित लगभग एक सौ छत्तीस वर्ष पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद में सामूहिक नमाज के लिए प्रवेश पास पर रोक और राज्य सरकार द्वारा लागू किए गए नये सुरक्षा कानूनों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति तथा प्रशासनिक व्यवस्था के केंद्र में राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न ला खड़ा किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और हवाई अड्डे की सुरक्षा हर दूसरी प्राथमिकता से ऊपर है।

हम आपको बता दें कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के भीतर स्थित यह मस्जिद लंबे समय से विवाद का विषय रही है। हवाई अड्डे के दो रनवे हैं, जिनमें दूसरा रनवे अपेक्षाकृत छोटा है और उसी के निकट यह मस्जिद स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मुख्य रनवे किसी कारण से बंद हो जाए तो दूसरे रनवे का पूरा उपयोग आवश्यक हो जाता है। ऐसे में मस्जिद की मौजूदगी न केवल रनवे विस्तार की योजना में बाधा बन रही है, बल्कि विमान संचालन की दृष्टि से भी जोखिम पैदा

करती है। यही कारण है कि हवाई अड्डा प्रशासन लंबे समय से इसके स्थानांतरण पर विचार करता रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में हवाई अड्डा प्रशासन ने सामूहिक नमाज के लिए प्रवेश पास जारी करना बंद कर दिया है और परिसर में अतिरिक्त पुलिस तथा सुरक्षा बलों की तैनाती भी की गई है। यह कदम किसी धर्म विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी दोहराया कि किसी को अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका गया है। उन्होंने बकरीद और मुहर्रम का उदाहरण देते हुए कहा कि कानून का पालन करते हुए धार्मिक आयोजन शांतिपूर्वक संपन्न हुए और आगे भी धर्म को व्यक्तिगत आस्था तक सीमित रखते हुए कानून का सम्मान करना ही सभी नागरिकों का दायित्व है।

दमदम उत्तर से विधायक सौरव सिकदर ने भी सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए फोटो सहित बायोमेट्रिक पास अनिवार्य होता है, जबकि नमाज के लिए आने वाले लोगों के संबंध में ऐसी व्यवस्था नहीं थी। उनका कहना है कि यह मस्जिद अत्यधिक सुरक्षा वाले स्तर तीन क्षेत्र में स्थित है, जहां से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित अति विशिष्ट व्यक्तियों की आवाजाही होती है और हर महीने लाखों यात्री गुजरते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढील भविष्य के लिए खतरा बन सकती है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि वर्षों तक तुष्टीकरण की राजनीति के कारण इस विषय पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका मानना है कि अब सरकार विकास और सुरक्षा दोनों को प्राथमिकता देते हुए मस्जिद के स्थानांतरण का रास्ता साफ करेगी ताकि रनवे विस्तार का कार्य भी बिना बाधा आगे बढ़ सके।

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया हाई कोर्ट का फैसला, फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल में दोबारा होगी सुनवाई

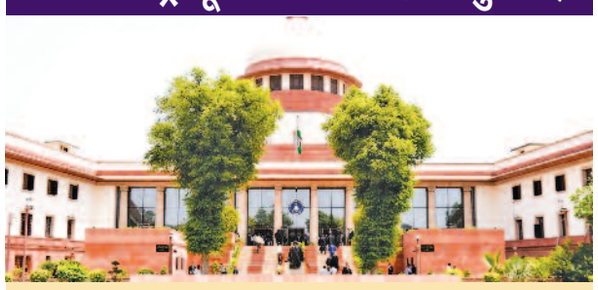

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फैसला सुनाया कि नागरिकता और विदेशी होने के दर्जे से जुड़े मामलों का फैसला 'निष्पक्ष, कानूनी और उचित' प्रक्रिया के जरिए किया जाना चाहिए। कोर्ट ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के उन फैसलों को रद्द कर दिया, जिनमें असम में 27 लोगों को विदेशी घोषित करने के आदेश को सही ठहराया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने 27 अपीलों को मंजूरी दी और मामलों को नए सिरे से सुनवाई के लिए संबंधित फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल (विदेशी न्यायाधिकरण) के पास वापस भेज दिया। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता एक बहुत ही अहम संवैधानिक और कानूनी मामला है, इसलिए सुनवाई के दौरान निष्पक्षता के सिद्धांतों का सख्ती से पालन किया जाना जरूरी है। लाइव-लॉ ने बेंच के हवाले से कहा कि नागरिकता और विदेशी होने का दर्जा संवैधानिक और कानूनी तौर पर बहुत अहम है। राज्य की यह जायज और जरूरी ज़िम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जो लोग कानूनी तौर पर भारतीय नागरिकता का दावा करने के हकदार नहीं हैं, वे प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल करके, झूठे दावे करके या देरी का फायदा उठाकर यह दर्जा हासिल न कर सकें। हालांकि, कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि यह मकसद प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपायों से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा साथ ही, इस तरह के स्टेटस का फैसला एक ऐसी प्रक्रिया से होना चाहिए जो निष्पक्ष, कानूनी और उचित हो। फॉरेनर्स एक्ट, 1946 की धारा 9 के तहत कानूनी ज़िम्मेदारी पूरी तरह से लागू रहेगी।' बेंच ने साफ किया कि उसका आदेश सिर्फ.मामलों का नए सिरे से और कानूनी रूप से सही फैसला सुनिश्चित करने तक ही सीमित था और उसने अपील करने वालों की नागरिकता के दावों की असलियत की जांच नहीं की थी।

कर्नाटक सरकार ने मंदिरों के चढ़ावे में पारदर्शिता के लिए जारी की नई एसओपी, डिजिटल भुगतान और सीसीटीवी अनिवार्य

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने राज्य द्वारा संचालित मंदिरों में मिलने वाले चढ़ावे की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत करने के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है। इस नई व्यवस्था के तहत मंदिर परिसरों में सीसीटीवी या वेब कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

यह कदम अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के कथित मामले के बाद उठाया गया है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पिछले हफ्ते ही अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि राज्य के हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (मुजराई) विभाग के सभी बड़े मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। सरकारी अधिसूचना के अनुसार देश के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों के दान-पात्रों से चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह एहतियाती कदम जरूरी हो गए थे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मुजराई विभाग के अधीन आने वाले मंदिरों में हुंडी यानी दान-पात्र के पैसों और गहनों की गिनती के दौरान हेरफेर या चोरी की शिकायतें मिलती रही हैं।

इसी को रोकने के लिए अब सीसीटीवी कैमरों का रिकॉर्डेड फुटेज सर्वर पर सुरक्षित रखा जाएगा। इन कैमरों की लगातार निगरानी मुजराई विभाग के मुख्यालय के साथ-साथ उपायुक्त और उपमंडल अधिकारियों के कार्यालयों से की जाएगी। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए मंदिरों में क्यूआर कोड लगाए जाएंगे जिसमें बैंक का आईएफएससी कोड और अन्य जरूरी जानकारी भी होगी। इसे मंदिर की लेखा प्रणाली के साथ सीधे जोड़ा जाएगा ताकि वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी रहे। चोरी रोकने के लिए यह भी तय किया गया है कि कैमरों के लेंस को कपूर के धुएं या अन्य तरीकों से बाधित न किया जा सके इसके लिए विशेष वेब कैमरों का इस्तेमाल होगा और मुजराई विभाग के मुख्यालय में एक केंद्रीय सर्वर स्थापित किया जाएगा। दान की गिनती की प्रक्रिया को लेकर भी कड़े नियम बनाए गए हैं। बड़े मंदिरों में हर हफ्ते और अन्य सक्रिय मंदिरों में हर दो हफ्ते में एक बार तहसीलदार की देखरेख में गिनती की जाएगी। गिनती के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य होगी और तारीखें आधिकारिक कैलेंडर में पहले से तय की जाएंगी। सोने-चांदी जैसी कीमती धातुओं का मूल्य उसी दिन आंका जाएगा और उन्हें तुरंत जिला या सब-ट्रेजरी में जमा कराया जाएगा। प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए गिनती में शामिल कर्मचारियों के लिए चेहरा मिलान प्रणाली यानी फेस मैचिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। हुंडी खोलने से लेकर बैंक को नकदी सौंपने तक की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी जिसमें तारीख और समय का स्पष्ट उल्लेख होगा। खास बात यह है कि गिनती के काम में आम लोगों के बजाय केवल होमगार्ड, बैंक कर्मचारियों या सरकारी कर्मचारियों को ही लगाया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा: कड़ी सुरक्षा के बीच 7,754 श्रद्धालुओं का नया जत्था जम्मू से रवाना

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए सोमवार को जम्मू के दो आधार शिविरों से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 7,700 से अधिक श्रद्धालुओं का 12वां जत्था रवाना हुआ। 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस पवित्र गुफा मंदिर में अब तक 2,52,000 से अधिक तीर्थयात्री भगवान शिव के 'हिमलिंगम' के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को रवाना हुए कुल 7,754 तीर्थयात्रियों में 5,383 पुरुष, 2,071 महिलाएं, 222 साधु, 58 साध्वियां, 16 बच्चे और चार ट्रांसजेंडर शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु कुल 303 वाहनों के काफिले में सवार होकर अपनी मंजिल की ओर बढ़े। सुरक्षा कारणों से इस काफिले

को दो अलग-अलग समूहों में बांटा गया था। बालटाल मार्ग से जाने वाला पहला काफिला तड़के 3:30 बजे रवाना हुआ, जिसमें 133 गाड़ियों में 2,896 तीर्थयात्री सवार थे। वहीं, पहलगाम मार्ग से जाने वाला दूसरा काफिला सुबह 4:05 बजे निकला, जिसमें 170 वाहनों में 4,858 श्रद्धालु सवार थे। दो जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 87,701 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से कश्मीर के लिए प्रस्थान कर चुके हैं, जिसमें शुक्रवार को रवाना हुए श्रद्धालु भी शामिल हैं।

मद्रास हाईकोर्ट के गोवध प्रतिबंध के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु में कहीं भी बकरीद या किसी अन्य दिन गाय या बछड़े के वध पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटिशन पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें पूरे राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था। बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश का अंतिम पैराग्राफ, जिसमें राज्यभर में प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था, प्रथम दृष्टया सुधार की मांग करता है। राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने पक्ष रखा। राज्य सरकार ने दलील दी कि हाई कोर्ट का आदेश तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के विपरीत है।

इस कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र के आधार पर 10 वर्ष से अधिक उम्र की उन गायों के वध की अनुमति दी जाती है, जो काम करने और प्रजनन के लिए अनुपयुक्त हो चुकी हों। सरकार ने यह भी कहा कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960, पशु क्रूरता निवारण (वध गृह) नियम, 2001, तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय अधिनियम, 1998 तथा तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय नियम, 2023 जैसे अन्य कानून वध की प्रक्रिया और शर्तों को नियंत्रित करते हैं, लेकिन इनमें

कहीं भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान नहीं है। राज्य का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाकर हाई कोर्ट ने वैधानिक कानून की जगह न्यायिक कानून बना दिया। मद्रास हाईकोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण शामिल थे, ने 27 मई को बकरीद से ठीक पहले यह आदेश पारित किया था। यह फैसला हिंदू मक्कल काची के महासचिव के. सूर्या प्रशांत द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनाया गया था। याचिकाकर्ता ने केवल यह मांग की थी कि वध निर्धारित स्थानों पर ही कराया जाए, लेकिन हाई कोर्ट ने इससे आगे बढ़ते हुए गायों और बछड़ों के वध पर कहीं भी और किसी भी दिन पूर्ण प्रतिबंध लगाने का व्यापक आदेश दे दिया। आदेश पारित करते समय हाई कोर्ट ने एक सरकारी आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि दूध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गो वध पर प्रतिबंध आवश्यक है। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उन पुराने फैसलों का भी उल्लेख किया, जिनमें कहा गया था कि बकरीद के अवसर पर गो वध इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है।

राज्य सरकार ने कहा कि जब मौजूदा कानून निर्धारित स्थानों पर गायों की एक विशेष श्रेणी के वध की अनुमति देता है, तब उसके विपरीत कोई न्यायिक निर्देश नहीं दिया जा सकता। सरकार ने यह भी आपत्ति जताई कि हाई कोर्ट ने सरकारी आदेश संख्या 1715 पर भरोसा किया, जबकि उसकी वैधता या लागू होने का सवाल अदालत के सामने कभी उठा ही नहीं था। सरकार का कहना है कि कोई भी कार्यकारी आदेश राज्य में लागू कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता।

क्या हाई कोर्ट ने याचिका के दायरे से बाहर जाकर फैसला दिया?

स्पेशल लीव पिटिशन में राज्य सरकार ने कहा कि हाई कोर्ट के समक्ष दायर रिट याचिका केवल कोयंबटूर में बकरीद के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गायों के वध को रोकने तक सीमित थी। इसके बावजूद डिवीजन बेंच ने मामले का दायरा बढ़ाते हुए पूरे राज्य में गायों के वध पर हर परिस्थिति में प्रतिबंध लगा दिया, यहां तक कि अधिकृत बूचड़खानों में भी, जबकि याचिकाकर्ता ने ऐसी कोई राहत नहीं मांगी थी।

संपादक की कलम से

युद्धविराम का मिथक और वैश्विक शांति का संकट

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच समय-समय पर घोषित होने वाले युद्धविराम और शांति प्रयासों ने विश्व समुदाय के सामने अनेक गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जब जब युद्धविराम की घोषणा हुई, कुछ ही समय बाद नए हमले, नई सैन्य कार्रवाइयाँ और नए आरोप सामने आ गए हैं। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि शांति केवल कूटनीतिक घोषणा बनकर रह गई है, जबकि जमीनी स्तर पर संघर्ष समाप्त होने के बजाय और जटिल होता जा रहा है।। आज पूरा विश्व महँगाई, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता उसका प्रभाव तेल की कीमतों, खाद्यान्न, परिवहन, निवेश, रोजगार और आम नागरिक के जीवन तक पहुँचता है। यही कारण है कि मध्य-पूर्व का प्रत्येक तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का प्रमुख सहयोगी रहा है। उसके समर्थकों का तर्क है कि वह अपने सहयोगी की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, जबकि आलोचकों का मानना है कि अमेरिका के दोहरे मानदंड उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। दूसरी ओर इजरायल का कहना है कि उसकी सैन्य कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है, जबकि उसके विरोधियों का आरोप है कि अत्यधिक सैन्य बल से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है। ईरान स्वयं को क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता रहा है। अनेक पश्चिमी देश और कुछ क्षेत्रीय सरकारें आरोप लगाती रही हैं कि ईरान कुछ सशस्त्र संगठनों को समर्थन देता है, जबकि ईरान इन आरोपों से इनकार करता है और अपनी नीति को राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय संतुलन का हिस्सा बताता है। यही परस्पर अविश्वास इस संघर्ष को और गहरा करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक अवसरों पर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे। ।वहीं उन्होंने यह भी कहा कि यदि ईरान वार्ता के लिए आगे आता है तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इन दो संदेशों ।कड़े सैन्य रुख और कूटनीतिक संवाद के बीच का विरोधाभास विश्व समुदाय को असमंजस में डालता है। ।इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार यह कहते रहे हैं कि इजरायल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा और आवश्यकता पड़ने पर हर खतरे का जवाब देगा। ।उनके अनुसार ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताएँ इजरायल के अस्तित्व के लिए चुनौती हैं। दूसरी ओर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरानी नेतृत्व बार-बार यह कहते रहे थे कि ईरान किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपनी संप्रभुता तथा राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। ।ईरान यह भी आरोप लगाता है कि अमेरिका और इजरायल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। इन परस्पर विरोधी बयानों के बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि सभी पक्ष स्वयं को शांति का समर्थक बताते हैं, तो युद्ध की आग बार-बार क्यों भड़क उठती है? क्या युद्धविराम वास्तव में स्थायी शांति का माध्यम है, या केवल सैन्य और कूटनीतिक पुनर्संयोजन का अवसर? संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने कई बार सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और तत्काल तनाव कम करने की अपील की है। उनका स्पष्ट मत रहा है कि मध्य-पूर्व किसी और युद्ध का भार नहीं उठा सकता। यह कथन केवल एक क्षेत्र की चिंता नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के भविष्य की चेतावनी है।

ललित शर्मा
संपादक

प्रकृति नहीं, मनुष्य का विवेकहीन अहंकार ही महाविनाश का कारण

एन0के0शर्मा
लेखक

मानव सभ्यता आज अपने इतिहास के ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है जहाँ विकास, विज्ञान और तकनीकी उपलब्धियों पर गर्व करने वाला मनुष्य स्वयं अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का निमार्ता बन चुका है। विडंबना यह है कि जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है-भीषण बाढ़, भूकंप, जंगलों की आग, सूखा, चक्रवात, भूस्खलन या ग्लेशियरों का टूटना-तो दोष सीधे प्रकृति पर मढ़ दिया जाता है। समाचारों में अक्सर कहा जाता है कि 'प्रकृति का कहर', 'प्रकृति का प्रकोप' या 'प्राकृतिक आपदा'। किंतु यदि घटनाओं की तह तक पहुँचा जाए तो स्पष्ट होता है कि अधिकांश विनाशकारी परिस्थितियों की वास्तविक जड़ प्रकृति नहीं, बल्कि मनुष्य का विवेकहीन अहंकार, असीमित लालच और प्रकृति के नियमों की अवहेलना है।

प्रकृति कभी विनाश की पक्षधर नहीं रही। वह सृष्टि की जननी है, संतुलन की संरक्षिका है और जीवन की आधारशिला है। प्रकृति का प्रत्येक नियम संतुलन, सहअस्तित्व और निरंतरता पर आधारित है। पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश-इन पंचमहाभूतों के संतुलन ने करोड़ों वर्षों से जीवन को संभव बनाया है। किंतु आधुनिक मनुष्य ने स्वयं को प्रकृति का अंग मानने के बजाय उसका स्वामी समझ लिया। यही विचार मानव सभ्यता की सबसे बड़ी वैचारिक भूल सिद्ध हो रही है।

औद्योगिक क्रांति के बाद विकास की परिभाषा बदल गई। जंगलों को संसाधन माना गया, नदियों को उद्योगों का माध्यम, पर्वतों को खनिज भंडार और समुद्रों को व्यापारिक मार्ग। विकास की अंधी दौड़ में यह भूल गया कि जिन प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है, वे केवल आर्थिक संपत्ति नहीं, बल्कि जीवन के मूलाधार हैं। परिणामस्वरूप पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है, हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर ऊपर उठ रहा है, जैव विविधता नष्ट हो रही है और मौसम का स्वाभाविक चक्र असंतुलित होता जा रहा है।

आज विश्व के अनेक महानगर प्रदूषण के घने आवरण में घुट रहे हैं। शुद्ध वायु विलासिता बनती जा रही है। नदियाँ, जिन्हें भारतीय संस्कृति में माता का स्थान प्राप्त है, औद्योगिक अपशिष्ट और रासायनिक प्रदूषण से कराह रही हैं। भूजल का अत्यधिक दोहन धरती की कोख को खोखला कर रहा है। कृषि भूमि रसायनों से विषाक्त हो रही है। समुद्र प्लास्टिक कचरे से भरते जा रहे हैं। इन सबके बावजूद मनुष्य स्वयं को विकसित और सभ्य कहने का दावा करता है। विडंबना यह है कि मानव ने विज्ञान को साधन के बजाय सत्ता का माध्यम बना लिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, परमाणु शक्ति, जैव-प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल क्रांति जैसी उपलब्धियाँ मानव कल्याण के लिए थीं, किंतु प्रतिस्पर्धा, प्रभुत्व और लाभ की मानसिकता ने इन्हें भी विनाशकारी दिशा में मोड़ दिया। हथियारों की होड़, जैविक अनुसंधानों का सैन्यीकरण, साइबर युद्ध, परमाणु अस्त्रों का विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों पर वैश्विक नियंत्रण की होड़ इस विवेकहीन अहंकार की ही अभिव्यक्तियाँ हैं।

पर्वतीय क्षेत्रों में अंधाधुंध सड़क निर्माण, सुरंगों की अनियोजित खुदाई, अवैज्ञानिक निर्माण कार्य और वनों की कटाई ने भूस्खलनों की आवृत्ति बढ़ा दी है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाँधों, अतिक्रमणों और अवैध खनन से बाधित किया गया। परिणामस्वरूप थोड़ी-सी वर्षा भी भीषण बाढ़ का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर वर्षा के अभाव में वही क्षेत्र गंभीर जल संकट का सामना करते हैं। यह प्रकृति का क्रोध नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ने का प्रतिफल है। जलवायु परिवर्तन आज केवल वैज्ञानिक विमर्श का विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। विश्व के अनेक देशों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, अभूतपूर्व वर्षा, जंगलों की भीषण आग और समुद्री तूफानों की तीव्रता इस बात का संकेत हैं कि पृथ्वी अपनी संतुलन प्रणाली को पुनर्स्थापित करने का प्रयास कर रही है। जब प्रकृति संतुलन बनाती है तो मनुष्य उसे आपदा कहता है, जबकि वास्तव में वह उसके अपने कर्मों का परिणाम होता है।

इतिहास साक्षी है कि कोई भी सभ्यता केवल बाहरी आक्रमणों से नहीं, बल्कि अपने आंतरिक अहंकार से नष्ट हुई है। प्राचीन साम्राज्यों का पतन, जल संसाधनों का क्षय, वनों का विनाश और प्राकृतिक संतुलन की उपेक्षा अनेक सभ्यताओं के अंत का कारण बने। आज वैश्विक सभ्यता भी उसी दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। अंतर केवल इतना है कि अब संकट किसी एक राष्ट्र का नहीं, सम्पूर्ण मानव जाति का है। भारतीय दर्शन सदैव प्रकृति को पूज्य मानता आया है। ऋग्वेद, अथर्ववेद, उपनिषद, गीता तथा अन्य प्राचीन ग्रंथों में प्रकृति के प्रति श्रद्धा, संयम और उत्तरदायित्व का संदेश मिलता है। 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः'-यह उद्घोष केवल आध्यात्मिक विचार नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दर्शन का शाश्वत सूत्र है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और संपूर्ण जैव जगत को परिवार का अंग माना। आधुनिक सभ्यता ने इसी संबंध को उपभोग और स्वार्थ में बदल दिया।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच का अंतर समाप्त कर दिया है। विलासिता अब आवश्यकता बन चुकी है। उपभोक्तावाद ने संतोष का स्थान ले लिया है। अधिक उत्पादन, अधिक उपभोग और अधिक लाभ की अंधी दौड़ ने पृथ्वी के सीमित संसाधनों पर असहनीय दबाव डाल दिया है। यदि पृथ्वी के सभी संसाधनों का उपभोग विकसित देशों की वर्तमान जीवनशैली के अनुरूप किया जाए, तो एक नहीं बल्कि कई पृथ्वियों की आवश्यकता होगी। यह तथ्य स्वयं आधुनिक विकास मॉडल की सीमाओं को उजागर करता है।

प्राकृतिक संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग, सतत विकास, हरित ऊर्जा, जल संरक्षण, जैव विविधता का संरक्षण, वृक्षारोपण, कार्बन उत्सर्जन में कमी और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व अब विकल्प नहीं, बल्कि अस्तित्व की अनिवार्यता हैं। किंतु केवल नीतियाँ पर्याप्त नहीं होंगी। सबसे बड़ा परिवर्तन मानव चेतना में आना चाहिए। जब तक मनुष्य स्वयं को प्रकृति का स्वामी मानता रहेगा, तब तक विनाश की प्रक्रिया रुकना कठिन है।

शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय नैतिकता को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जीवन-मूल्य बनाया जाना चाहिए। शासन-प्रशासन को अल्पकालिक आर्थिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक पारिस्थितिक संतुलन को प्राथमिकता देनी होगी। उद्योगों को उत्तरदायी उत्पादन प्रणाली अपनानी होगी। नागरिकों को भी अपने दैनिक जीवन में जल, ऊर्जा और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लेना होगा। यह संघर्ष केवल सरकारों का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

यह भी समझना होगा कि प्रकृति प्रतिशोध नहीं लेती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। जब नदियों का मार्ग रोका जाता है तो वे अपना मार्ग स्वयं बनाती हैं। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा चक्र बदलता है। जब वातावरण में विषैली गैसें भरी जाती हैं तो जलवायु असंतुलित होती है। जब पृथ्वी की कोख से असीमित खनन किया जाता है तो भूगर्भीय अस्थिरता बढ़ती है। इन घटनाओं को यदि मनुष्य प्रकृति का क्रोध कहता है तो वह अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहा है।

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि प्रकृति कितनी शक्तिशाली है; वास्तविक प्रश्न यह है कि मनुष्य कितना विवेकशील है। विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास तभी सार्थक हैं जब वे मानव और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करें। अन्यथा वही प्रगति महाविनाश का कारण बन जाती है।

आज आवश्यकता किसी नए ग्रह की खोज से अधिक, पृथ्वी के प्रति नए दृष्टिकोण की है। आवश्यकता विकास की गति कम करने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा बदलने की है। आवश्यकता प्रकृति को जीतने की नहीं, उसके साथ चलने की है। यही सच्चा सतत विकास है, यही सभ्यता का भविष्य है और यही मानवता का वास्तविक उत्थान है।

यदि मानव जाति ने अभी भी अपने विवेक को जागृत नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें वैज्ञानिक प्रगति के लिए नहीं, बल्कि पृथ्वी की सबसे समृद्ध सभ्यता होकर भी अपनी ही जीवनदायिनी प्रकृति को नष्ट कर देने वाले अहंकारी समाज के रूप में याद करेंगी। इसलिए समय का सबसे बड़ा संदेश यही है-महाविनाश का कारण प्रकृति नहीं, बल्कि मनुष्य का विवेकहीन अहंकार है; और यदि इस अहंकार का परित्याग नहीं किया गया, तो इतिहास का अगला अध्याय मानव सभ्यता के पश्चाताप का अध्याय होगा।

वक्त की कीमत

उदय किशोर साह

कविता

जिसने भी वक्त की कीमत पहचाना
बन गया वो सिकन्दर का भी नाना
हौसले को मत दो जीवन में विश्राम
दिन ढ़ल जाये या हो जाने दो शाम

जीवन चलने का नाम है मेरे भाई
आगे बढ़ना निरंतर जीवन में साईं
असफलता के आगे तेरी है मुकाम
दिन ढ़ल जाये या हो जाने दो शाम

नदिया सागर से मिलने दौड़ लगाई
पत्थरों चट्टानों से भी वो टकराई
कदम उनकी कब रूका कब ली विराम
दिन ढ्ल जाये या हो जाने दो। शाम

पवन पुरवाई सागर से बहकर आई
पर्वत जंगल उनकी राह ना रोक पाई
मंजिल पहुँच कर ली है आज विश्राम
दिन ढ़ल जाये या हो जाने दो। शाम

जग में कोई काम कठिन ना है। भाई
मिहनत के आगे हर अड़चन शीश झुकाई
लगन तुम्हारी कोई कर ना पाये नाकाम
दिन ढ़ल जाये या हो जाने दो। शाम

पुरस्कारों का अर्थशास्त्र

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

एक साहित्यिक संस्था ने कविता, कहानी, व्यंग्य सहित सात विधाओं में कुल 21 पुरस्कारों की घोषणा की। प्रत्येक विधा में प्रथम पुरस्कार 5,100, द्वितीय 3,100 तथा तृतीय 2,100 निर्धारित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 500 आवेदन शुल्क रखा गया और शर्त यह थी कि प्रतिभागी अपनी पिछले वर्ष प्रकाशित पुस्तक की दो प्रतियाँ आवेदन के साथ भेजें। आकर्षक घोषणा के बाद देशभर से 650 साहित्यकारों ने आवेदन किया, जिससे संस्था को आवेदन शुल्क के रूप में 3,25,000 प्राप्त हुए। निर्धारित तिथि पर वातानुकूलित सभागार में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कुल 72,100 की पुरस्कार राशि वितरित की गई तथा आयोजन पर लगभग 32,500 खर्च किए गए। इस प्रकार कुल व्यय 1,04,600 रहा, जबकि 2,20,400 की राशि शेष बच गई। अगले ही दिन संस्था के अध्यक्ष और सचिव को 1,300 पुस्तकें दान करने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया और तीसरे दिन दोनों अपनी-अपनी पत्नियों के साथ विदेश यात्रा पर रवाना हो गए। यह प्रसंग एक गंभीर प्रश्न छोड़ जाता है—क्या साहित्यिक पुरस्कारों का उद्देश्य प्रतिभा का सम्मान है, या कहीं वे आवेदन शुल्क आधारित आर्थिक मॉडल में बदलते जा रहे हैं? पारदर्शिता और जवाबदेही ही इस प्रश्न का सबसे विश्वसनीय उत्तर हो सकती है।

साहित्य का मूल उद्देश्य समाज को संवेदनशील बनाना, विचारों को दिशा देना और मानवीय मूल्यों को समृद्ध करना है। एक सच्चा साहित्यकार पुरस्कार पाने के लिए नहीं, बल्कि समाज के अंतःकरण को झकझोरने के लिए लिखता है। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि उत्कृष्ट रचनाकारों को सम्मानित करना किसी भी सभ्य समाज की जिम्मेदारी है। पुरस्कार न केवल लेखक की साधना को सार्वजनिक स्वीकृति देते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भी सृजन के लिए प्रेरित करते हैं। किंतु जब पुरस्कार सम्मान का माध्यम न रहकर आय का साधन, प्रचार का उपकरण और व्यक्तिगत लाभ का व्यवसाय बन जाएँ, तब साहित्य की आत्मा आहत होती है। आज साहित्यिक जगत में ऐसे अनेक प्रश्न उठ रहे हैं, जो पुरस्कारों के अर्थशास्त्र और उनकी पारदर्शिता पर गंभीर विमर्श की माँग करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में साहित्यिक पुरस्कारों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। छोटे-बड़े शहरों में अनेक संस्थाएँ विभिन्न विधाओं में पुरस्कार घोषित कर रही हैं। पहली दृष्टि में यह साहित्य के लिए शुभ संकेत प्रतीत होता है, क्योंकि इससे लेखकों को मंच और पहचान मिलती है।

किंतु जब इन पुरस्कारों के पीछे की आर्थिक संरचना को देखा जाता है तो कई बार तस्वीर चिंताजनक दिखाई देती है। प्रवेश शुल्क, पंजीकरण शुल्क, सदस्यता शुल्क, अनिवार्य पुस्तकें, स्मारिका सहयोग, समारोह शुल्क और अन्य मदों के माध्यम से बड़ी राशि एकत्र की जाती है, जबकि वास्तविक पुरस्कार राशि अपेक्षाकृत बहुत कम होती है। इससे यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या पुरस्कार साहित्यकारों के सम्मान के लिए हैं या संस्थाओं की आय बढ़ाने का माध्यम? कुछ संस्थाएँ पुरस्कारों के लिए ऐसी शर्तें रखती हैं कि केवल प्रकाशित पुस्तक वाले लेखक ही आवेदन कर सकें। इसके साथ ही पुस्तक की दो या तीन प्रतियाँ भेजना अनिवार्य होता है। आवेदन शुल्क अलग से लिया जाता है।

यदि सैकड़ों लेखक आवेदन करते हैं तो संस्था के पास लाखों रुपये एकत्र हो जाते हैं। पुरस्कारों की संख्या सीमित होती है और अधिकांश प्रतिभागियों को केवल धन्यवाद या सहभागिता प्रमाणपत्र मिलता है। आर्थिक दृष्टि से यह मॉडल संस्थाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होता है, जबकि लेखक अपनी रचना, पुस्तक, डाक व्यय और आवेदन शुल्क सहित पर्याप्त धन खर्च कर देता है।

यहाँ समस्या केवल शुल्क लेने की नहीं है। यदि कोई संस्था पारदर्शी ढंग से बताती है कि आवेदन शुल्क मूल्यांकन, डाक, निर्णायकों के मानदेय, सभागार, स्मारिका और प्रशासनिक खर्चों के लिए आवश्यक है, तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। समस्या तब उत्पन्न होती है जब आय और व्यय का कोई सार्वजनिक विवरण उपलब्ध नहीं होता। लेखकों को यह तक ज्ञात नहीं होता कि निर्णायक कौन हैं, मूल्यांकन की प्रक्रिया क्या है और चयन के मानदंड क्या हैं। पारदर्शिता के अभाव में संदेह जन्म लेता है और सम्मान की गरिमा कम होने लगती है।

आज साहित्य में एक नई प्रवृत्ति यह भी देखने को मिल रही है कि पुरस्कारों की संख्या लगातार बढ़ रही है, किंतु उनकी विश्वसनीयता घटती जा रही है। अनेक पुरस्कार ऐसे हैं जिनका साहित्यिक योगदान से अधिक संबंध प्रचार-प्रसार से दिखाई देता है। सोशल मीडिया पर बड़े-बड़े पोस्टर, भव्य मंच, आकर्षक बैनर और लंबी सम्मान सूची देखने को मिलती है, लेकिन साहित्यिक गुणवत्ता पर गंभीर चर्चा कम दिखाई देती है। सम्मान समारोह कभी-कभी साहित्यिक आयोजन कम और प्रचार कार्यक्रम अधिक लगने लगते हैं।

इस प्रवृत्ति का सबसे अधिक नुकसान नवोदित लेखकों को होता है। वे सम्मान प्राप्त करने की स्वाभाविक इच्छा में आवेदन शुल्क जमा करते हैं, पुस्तकें भेजते हैं और पुरस्कार की आशा करते हैं। कई बार उन्हें केवल सहभागिता प्रमाणपत्र या मंच पर एक तस्वीर मिलती है। धीरे-धीरे यह धारणा बनती है कि साहित्य में भी सफलता का रास्ता गुणवत्ता से अधिक आर्थिक योगदान और संपर्कों से होकर गुजरता है। यह धारणा साहित्य के भविष्य के लिए अत्यंत घातक है।

पुरस्कारों की विश्वसनीयता का दूसरा आधार निर्णायक मंडल होता है। यदि निर्णायक स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रतिष्ठित हों तथा उनकी चयन प्रक्रिया सार्वजनिक हो, तो पुरस्कार की प्रतिष्ठा स्वतः बढ़ जाती है। किंतु यदि निर्णायकों के नाम गोपनीय रखे जाएँ, चयन के कारण न बताए जाएँ और परिणाम केवल औपचारिक घोषणा बनकर रह जाएँ, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है। साहित्य में विश्वास ही सबसे बड़ी पूँजी है, और पारदर्शिता उसके संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

यह भी सच है कि सभी साहित्यिक संस्थाओं को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। देश में अनेक प्रतिष्ठित संस्थाएँ और अकादमियाँ वर्षों से निष्पक्ष और सम्मानजनक पुरस्कार प्रदान कर रही हैं। वहाँ आवेदन शुल्क नहीं लिया जाता या यदि लिया जाता है तो उसका स्पष्ट औचित्य और लेखा-जोखा उपलब्ध रहता है। चयन प्रक्रिया बहुस्तरीय होती है और निर्णायक मंडल स्वतंत्र रूप से कार्य करता है। ऐसे पुरस्कार साहित्यकारों के लिए प्रेरणा बनते हैं और समाज में साहित्य की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं।

दूसरी ओर कुछ संस्थाएँ पुरस्कारों को नियमित आय के स्रोत के रूप में विकसित करती दिखाई देती हैं। यदि किसी प्रतियोगिता में पाँच सौ या एक हजार आवेदन आते हैं और प्रत्येक से शुल्क लिया जाता है, तो संस्था के पास बड़ी राशि एकत्र हो जाती है। यदि उसी राशि का बहुत छोटा भाग पुरस्कारों और आयोजन पर खर्च हो तथा शेष राशि के उपयोग का कोई सार्वजनिक विवरण न हो, तो आलोचना होना स्वाभाविक है। साहित्यिक संस्थाएँ सामाजिक विश्वास पर चलती हैं; इसलिए उन्हें आर्थिक पारदर्शिता का सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

पुरस्कारों के अर्थशास्त्र का एक मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है। सम्मान पाने की इच्छा प्रत्येक रचनाकार में होती है। यह स्वाभाविक भी है। किंतु इसी इच्छा का यदि व्यावसायिक दोहन होने लगे तो यह साहित्यिक नैतिकता के विरुद्ध है। सम्मान कभी खरीदा नहीं जा सकता और न ही आवेदन शुल्क के अनुपात में उसका मूल्य निर्धारित किया जा सकता है। वास्तविक पुरस्कार वह है जिसे समाज और समय स्वीकार करे।

समाधान क्या हो सकता है? सबसे पहले प्रत्येक साहित्यिक संस्था को अपनी आय और व्यय का वार्षिक विवरण सार्वजनिक करना चाहिए। आवेदन शुल्क का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। चयन प्रक्रिया, निर्णायक मंडल, मूल्यांकन के मानदंड और परिणामों की संक्षिप्त रिपोर्ट भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। यदि पुरस्कार वास्तव में साहित्य सेवा के लिए हैं तो संस्था को यह भी बताना चाहिए कि प्राप्त राशि का कितना भाग साहित्यिक गतिविधियों, पुस्तकालयों, युवा लेखकों, शोध और प्रकाशन पर व्यय किया गया।

इसके अतिरिक्त पुरस्कारों की संख्या बढ़ाने के बजाय उनकी गुणवत्ता बढ़ाने पर बल दिया जाना चाहिए। कम पुरस्कार, लेकिन निष्पक्ष चयन और सम्मानजनक राशि, साहित्यकारों के लिए अधिक प्रेरणादायक होगी। पुरस्कार समारोह की भव्यता से अधिक महत्त्व चयन प्रक्रिया की विश्वसनीयता का होना चाहिए। मंच की चमक कुछ घंटों की होती है, किंतु निष्पक्ष सम्मान की प्रतिष्ठा वर्षों तक बनी रहती है।

लेखकों को भी आत्ममंथन करना होगा। केवल सम्मान प्राप्त करने की लालसा में प्रत्येक प्रतियोगिता में आवेदन करना उचित नहीं है। किसी संस्था की विश्वसनीयता, पूर्व इतिहास, चयन प्रक्रिया और पारदर्शिता की जानकारी प्राप्त करने के बाद ही सहभागिता करनी चाहिए। साहित्य का वास्तविक मूल्य पुरस्कारों की संख्या से नहीं, बल्कि रचनाओं की गुणवत्ता और पाठकों के विश्वास से तय होता है।

अंततः साहित्य का सबसे बड़ा पुरस्कार समय देता है। अनेक महान साहित्यकार अपने जीवनकाल में उपेक्षित रहे, किंतु उनकी रचनाएँ आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं। वहीं अनेक तात्कालिक पुरस्कार समय की धूल में खो गए। इसलिए पुरस्कारों का उद्देश्य साहित्य की सेवा होना चाहिए, न कि साहित्य के नाम पर अर्थसंग्रह।

साहित्य समाज का नैतिक विवेक है। यदि उसके सम्मान भी आर्थिक अपारदर्शिता और व्यावसायिक मानसिकता के शिकार हो जाएँ, तो यह केवल लेखकों का नहीं, पूरे समाज का नुकसान है। आवश्यकता इस बात की है कि साहित्यिक संस्थाएँ अपने कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व अपनाएँ तथा लेखक भी सम्मान से अधिक सृजन की गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। पुरस्कार तभी सार्थक हैं जब वे प्रतिभा को पहचानें, साहित्य को समृद्ध करें और समाज में विश्वास जगाएँ। अन्यथा वे केवल 'पुरस्कारों का अर्थशास्त्र' बनकर रह जाएँगे, जहाँ सम्मान पीछे छूट जाता है और कारोबार आगे निकल जाता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विश्व जनसंख्या दिवस 2026 पर सिम्स में व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सामुदायिक चिकित्सा विभाग के द्वारा परिवार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य एवं युवा सशक्तिकरण पर जनजागरूकता अभियान आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के पिलखुवा के स्थित अनवरपुर गांव में विश्व जनसंख्या दिवस 2026 के अवसर पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (SIMS), हापुड़ के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के द्वारा अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक में एक व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जिम्मेदार अभिभावकत्व के प्रति आमजन को जागरूक करना था। प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व जनसंख्या दिवस बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने तथा सभी नागरिकों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समान अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल देता है। इस वर्ष की वैश्विक थीम 'आज और भविष्य के लिए युवाओं की आशाओं एवं आकांक्षाओं को साकार करना' रही, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित एवं जिम्मेदार जीवन के लिए सही जानकारी एवं अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मरीजों, उनके परिजनों, चिकित्सकों, संकाय सदस्यों तथा एमबीबीएस 2023 बैच के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ओपीडी परिसर को जनस्वास्थ्य शिक्षा के एक सशक्त मंच के रूप में विकसित किया गया, जहाँ स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, शैक्षणिक पोस्टर प्रदर्शनी, परामर्श सत्र तथा संवादात्मक चचाओं के माध्यम से परिवार नियोजन, जन्म अंतराल, प्रजनन स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, जिम्मेदार अभिभावकत्व तथा सरकार के द्वारा संचालित परिवार कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह कार्यक्रम डॉ. (ब्रिगेडियर) विनीत रस्तोगी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा विभाग के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उनके साथ डॉ.

वंदना कश्यप, सहायक प्रोफेसर तथा डॉ. अरशद हुसैन, सीनियर रेजिडेंट ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित स्वास्थ्य शिक्षा एवं सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी बनाया।कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि एमबीबीएस 2023 बैच के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टर प्रस्तुतियों, व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श, जागरूकता संवाद तथा शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से मरीजों एवं उनके परिजनों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य तथा जिम्मेदार पारिवारिक जीवन के महत्व से अवगत कराया।

यह सहभागिता सिम्स की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को उत्कृष्ट चिकित्सकीय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सेवा की भावना से भी विकसित किया जाता है। जागरूकता सत्रों में स्वैच्छिक एवं सूचित परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व, उचित जन्म अंतराल, किशोर स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, बाल टीकाकरण, पोषण, प्रजनन अधिकार तथा समय पर स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर विशेष बल दिया गया। साथ ही प्रतिभागियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं सरकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. जे. रामचन्द्रन ने विश्व जनसंख्या दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ तथा जागरूक एवं जिम्मेदार प्रजनन संबंधी निर्णय ही सतत राष्ट्रीय विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को सही जानकारी एवं अवसर प्रदान कर ही स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की उपाध्यक्ष श्रीमती रम्या रामचन्द्रेन ने भी सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संस्थान निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रम समाज में जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज की नींव मजबूत करते हैं।यह कार्यक्रम डॉ. बरखा गुप्ता, प्राचार्य; डॉ. मेजर जनरल सी. एस. आहलूवालिया, चिकित्सा अधीक्षक; ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, वरिष्ठ सलाहकार; रघुवर दत्त, निदेशक; तथा एन. वर्धराजन, महाप्रबंधक के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। उनके नेतृत्व में संस्थान चिकित्सा शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तथा सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।कार्यक्रम को मरीजों एवं उनके परिजनों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से उन्हें परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य तथा सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।संकाय सदस्यों ने कहा कि समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम बेहतर जनस्वास्थ्य परिणाम प्राप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। जागरूक नागरिक ही अपने एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य से जुड़े जिम्मेदार निर्णय लेकर स्वस्थ समाज एवं संतुलित जनसंख्या विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।क्षेत्र के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों में से एक सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सिम्स), हापुड़ निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, जनस्वास्थ्य शिक्षा, सामुदायिक जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर आगे बढ़ाते हुए नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविरों, जनजागरूकता अभियानों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।विश्व जनसंख्या दिवस 2026 के अवसर पर सिम्स ने स्वस्थ परिवार, जिम्मेदार अभिभावकत्व, युवा सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, जागरूक प्रजनन निर्णय तथा सतत विकास के राष्ट्रीय एवं वैश्विक प्रयासों में अपनी सक्रिय भागीदारी एवं प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।आइए, हम सभी मिलकर युवाओं को सशक्त बनाएं, परिवारों को सुदृढ़ करें, जागरूक निर्णयों को बढ़ावा दें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ, समृद्ध एवं सतत भविष्य का निर्माण करें।

युवा उम्र में भी बढ़ रहा है हार्ट अटैक का खतरा समय रहते सतर्क रहना है जरूरी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में पहले हार्ट अटैक को बढ़ती उम्र की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज 30 से 40 साल की उम्र के लोगों में भी हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बदलती जीवनशैली, तनाव, गलत खानपान, धूम्रपान, वेपिंग, शारीरिक गतिविधि की कमी और पर्याप्त नींद न लेना इसके प्रमुख कारण बन रहे हैं।

समय रहते इन कारणों को समझकर और सही कदम उठाकर दिल की बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. सुनील सोफत ने बताया ने बताया, 'आज पहले की तुलना में कम उम्र के मरीजों में हार्ट अटैक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह हमारी बदलती जीवनशैली है।

वेपिंग, जंक और प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन, लंबे समय तक बैठे रहना, लगातार तनाव और नींद की कमी दिल की सेहत पर बुरा असर डालते हैं। कई युवा यह मानकर चलते हैं कि उन्हें हार्ट अटैक नहीं हो सकता, इसलिए शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं।

कम उम्र में हार्ट अटैक हमेशा तेज सीने के दर्द के रूप में नहीं होता। कई बार यह लगातार गैस या सीने में जलन जैसा महसूस हो सकता है। इसके अलावा अचानक बहुत ज्यादा थकान होना, थोड़ी मेहनत में सांस फूलना, सामान्य व्यायाम न कर पाना या जबड़े, गर्दन और ऊपरी पीठ में बिना कारण दर्द होना भी हार्ट अटैक के संकेत हो सकते हैं।

ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।डॉ. सुनील ने आगे बताया '25 वर्ष की उम्र के बाद हर व्यक्ति को समय-समय पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए।

रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें, लंबे समय तक लगातार बैठने से बचें, धूम्रपान और वेपिंग छोड़ें, संतुलित आहार लें और तनाव को नियंत्रित रखें। उनका कहना है कि आधुनिक इलाज से हार्ट अटैक का सफल उपचार संभव है, लेकिन बचाव ही सबसे बेहतर उपाय है। सही जीवनशैली अपनाकर और नियमित स्वास्थ्य जांच कराकर युवा भी अपने दिल को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं।

गढ़मुक्तेश्वर के बिगास गांव में सपा की पीडीए चौपाल, पदम सिंह जाटव ने सरकार पर साधा निशाना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के गांव बिगास में समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे वरिष्ठ सपा नेता पदम सिंह जाटव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की एकजुटता का संदेश दिया।अपने संबोधन में पदम सिंह जाटव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में शोषित, वंचित, पिछड़े और किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और अगड़ों में पिछड़े वर्ग की एकजुटता ही प्रदेश में बदलाव का आधार बनेगी।उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाएं, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को उसका अधिकार और सम्मान मिल सके।

इस अवसर पर ओमपाल, रिंकू, सुनील, प्रवीण, प्रेम सिंह, अशोक, सतीश, रितिक कुमार, सुशील, लोकेश कुमार, नैन सिंह, प्रधान अमरीश कुमार, आनंद कुमार, पुष्पेंद्र कुमार एडवोकेट, योगेश कुमार एडवोकेट, विनय कुमार, दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी धौलाना मनोज सिंह को दी गई तबादला विदाई

सभी के पसंदीदा अफसर मनोज सिंह को विदाई देते हुए गमगीन हो गया धौलाना तहसील का माहौल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के धौलाना तहसील में काफी समय से तैनात रहे जनप्रिय अफसर मनोज सिंह का धौलाना तहसील से मथुरा तहसील तबादला होने पर क्षेत्र के लोग बेहद मायूस हो गए। कारण मनोज सिंह एक जनहित के कार्य करने वाले अफसरों में गिने जाते थे। वे जनता की सेवा के लिए हमेशा समर्पित रहे थे। जिनका क्षेत्र में बेहद सम्मान था। सोमवार को अधिवक्ताओं, सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगो ने उन्हें भव्य गमगीन और भावभीनी तबादला विदाई दी। जिसके बाद मनोज सिंह अपनी सुचारू कर्मभूमि धौलाना से मथुरा के लिए रवाना हो गए। इस दौरान लोगों के अपनत्व से अभिभूत मनोज सिंह की भी विदा लेते हुए आंखें नम हो गई। वही

धौलाना ग्राम प्रधान अतीक भाई अहमद, बार अध्यक्ष विनोद शिशोदिया, विक्रम तोमर, राजकुमार, पूर्व बार अध्यक्ष अनिल शर्मा, सचिन शर्मा, मोहित शर्मा, पूर्व बार अध्यक्ष अमर पाल सिंह राणा, अभिषेक तोमर, संजीव राघव, सतीश राणा, राहुल राणा, तमकीन अहमद, तनवीर अहमद, पवन राणा, राहुल तोमर, सुशील कुमार, सुनील, रणदीप राघव, आदित्य वशिष्ठ, डा इदरीस मलिक, ओमपाल राणा विकट, राहुल राणा, बब्बल ठेकेदार, गजेंद्र सिंह आदि ने बुके भेट कर मनोज सिंह को तबादला विदाई दी। इस मौके पर बोलते हुए धौलाना तहसीलदार प्रवेश कुमार, अमरपाल सिंह, दिव्यांशी सिंह, मागे राम, टिंकू राम, अनुज चौधरी, निर्देश पाल चौधरी, गौरव चौधरी, राघवेंद्र चौधरी, अंकित शर्मा ने बताया की मनोज सर हमेशा अपने कर्तव्य के लिए समर्पित रहे। और स्टाफ की हर समस्या में साथ खड़े रहते थे।

बछलौता फ्लाईओवर पर दर्दनाक हादसा: बाइक डिवाइडर से टकराई, पिता-पुत्री की मौत, तीन घायल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ जनपद हापुड़ के बाबूगढ़ क्षेत्र मे दोपहर करीब 3:30 बजे बछलौता फ्लाईओवर पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक मासूम बच्ची और उसके पिता की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, शाहजहांपुर जनपद के थाना खुदागंज क्षेत्र के ग्राम हसनपुर निवासी अशोक (पुत्र रामेश्वर दयाल) अपनी पत्नी रिंकी (42 वर्ष), पुत्र अनुज (14 वर्ष), पुत्री मीनाक्षी (8 वर्ष) और पुत्री राधिका (4 वर्ष) के साथ मोटरसाइकिल (संख्या वढ 16 एद 6339) से नोएडा काम के लिए जा रहे थे। बछलौता फ्लाईओवर के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।हादसा इतना भीषण था कि चार वर्षीय राधिका की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना बाबूगढ़ प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल भिजवाया गया, जहां उपचार के दौरान अशोक की भी मृत्यु हो गई।

घटना में घायल रिंकी, अनुज और मीनाक्षी का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है तथा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुदाफरा चौकी में तैनात राहुल चौहान बने हेड कांस्टेबल, थानाध्यक्ष ने लगाई फीत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र से पुलिस विभाग के लिए एक हर्षोल्लास का समाचार सामने आया है। क्षेत्र की मुदाफरा पुलिस चौकी में पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं दे रहे कांस्टेबल राहुल चौहान की पदोन्नति (प्रमोशन) हो गई है। वे अब कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर थाने और चौकी परिसर में खुशी का माहौल है।अधिकारियों ने दी बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं। पदोन्नति के बाद बाबूगढ़ थाना परिसर में एक सादे और गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बाबूगढ़ थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार और सब-इंस्पेक्टर (एसआई) नवीन गौतम ने संयुक्त रूप से राहुल चौहान के कंधों पर हेड कांस्टेबल की फीत (स्टार/बैज) लगाई।अधिकारियों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। 2015के बेच के है राहुल चौहान बाबूगढ़ थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने इस मौके पर कहा कि पदोन्नति केवल एक पद का बढ़ना नहीं है, बल्कि यह अपने साथ और अधिक जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मांग करती है। उन्हें पूरा विश्वास है कि राहुल चौहान आगे भी इसी तरह जनता की सेवा और कानून व्यवस्था को बनाए रखने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे।सहकर्मियों ने जताया हर्ष राहुल चौहान की इस पदोन्नति पर मुदाफरा चौकी और बाबूगढ़ थाने के समस्त पुलिस स्टाफ ने उन्हें बधाई दी। सहकर्मियों का कहना है कि राहुल चौहान हमेशा से अपने काम के प्रति गंभीर रहे हैं और यह पदोन्नति उनकी कड़ी मेहनत और विभाग के प्रति उनके समर्पण का परिणाम है।इस सम्मान से उत्साहित नवनियुक्त हेड कांस्टेबल राहुल चौहान ने उच्चाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक ईमानदारी व तत्पर रहने का संकल्प लिया।

गढ़मुक्तेश्वर में पंचायत डेवलपमेंट प्लान पर पंचायत सहायकों व सचिवों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

गढ़मुक्तेश्वर,हापुड़(वेलकम इंडिया)। वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ आदरणीय उपनिदेशक (पंचायत) के कुशल निर्देशन में सोमवार को विकासखंड गढ़मुक्तेश्वर के सभागार में पंचायत डेवलपमेंट प्लान (पीडीपी) विषय पर ग्राम पंचायतों के पंचायत सहायकों एवं सचिवों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख एवं खंड विकास अधिकारी विजय कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।ब्लॉक प्रमुख विजय कुमार ने ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर एवं आदर्श गांव बनाने का आह्वान करते हुए विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। खंड विकास अधिकारी ने पंचायत सहायकों एवं सचिवों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में स्थानीय संसाधनों, स्वयं के आय स्रोतों तथा जनसहभागिता के आधार पर पंचायत विकास योजना तैयार की जाए, ताकि गांवों का समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित हो सके। राष्ट्रीय प्रशिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशुतोष शर्मा ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से ग्रामीण विकास की संभावनाओं पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्रशिक्षक अंकित भड़ाना ने 16वें वित्त आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) पवन चिकारा, प्रशिक्षक ज्योति शर्मा, प्रशिक्षक मीनू सिंह, डीपीआरसी हापुड़ के वरिष्ठ फैकल्टी डॉ. दीपक सिंह सहित विकासखंड के पंचायत सहायक एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कोषागार हापुड़ से पेंशन पा रहे सभी पेंशनरों की पेंशन से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु दिए निर्देश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में पेंशन पा रहे सरकारी कर्मचारियों की पेंशन में आ रही समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सेवानिवृत्त शिक्षक, कर्मचारी एवं पेंशनर संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाली पेंशन, पारिवारिक पेंशन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं अन्य

भत्तों से संबंधित समस्याओं के समाधान को लेकर विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने कोषागार हापुड़ से पेंशन पा रहे सभी पेंशनरों की पेंशन से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत होने के उपरांत समय से तथा एक माह के भीतर सभी प्रकार का भुगतान कराना सुनिश्चित करें।

सरकारी सेवा से रिटायर होने के उपरांत पेंशन पाने वाले सभी कर्मचारियों का पेंशन में सहयोग किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जो कर्मचारी सरकारी सेवा से रिटायर हो गए हैं और उनकी अभी तक पेंशन लागू नहीं हुई है उनका 15 दिवस के अंदर समाधान करना सुनिश्चित करें।

साथी जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने कर्मचारियों का आगामी माह मार्च 2027 में रिटायर होने वाले कर्मचारियों की सूचित तैयार कर ले जिससे समय पर उनके रिटायरमेंट की कार्रवाई समय से की जा सके।

नारी शक्ति संगठन की महिलाओं ने मिलकर किया पौधारोपण

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। नारी शक्ति संगठन की महिलाओं ने मिलकर वैष्णो विहार कॉलोनी में अमरूद, आम, पीपल, कचनार, बकैन, बड़, जामुन आदि के फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश देने का कार्य किया! इस मौके पर संगठन की अध्यक्ष पूनम गोयल ने कहा कि हम सभी पेड़ इसलिए लगाते हैं क्योंकि ये जहरीली कार्बन डाइऑक्साइड को गृहण करके हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं तापमान को नियंत्रित करते हैं मिट्टी के कटाव को रोक कर बाढ़ जैसी आपदाओं को नियंत्रित कर हमारी रक्षा करते हैं! इसलिए हम सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर प्राकृतिक संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देना चाहिए। इस मौके पर संगठन की महामंत्री शारदा चौधरी, उपाध्यक्ष निधि वर्मा, वंदना गुप्ता, शिखा गुप्ता, पूनम शर्मा, संतोष, रिंकी मसीह मंत्री मनीषा गुप्ता, करुणा अग्रवाल, रश्मि तोमर, शीतल भारद्वाज, सुनीता शर्मा सदस्य मीना शर्मा आदि बहने मौजूद रही।

उत्तराखण्ड में इको-टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ाए जाने को लेकर बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में प्रदेश के अंतर्गत इको-टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ाए जाने को लेकर वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान सर्वप्रथम मुख्य सचिव ने इस सम्बन्ध में पिछली बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन की प्रगति की जानकारी ली।

बर्द्धन ने कहा कि उत्तराखण्ड में इको-टूरिज्म के लिए अत्यधिक सम्भावनाएं हैं। इसे प्रदेश के नागरिकों की आर्थिकी से जोड़े जाने की आवश्यकता है, ताकि बिना प्रकृति को नुकसान पहुँचाए हम वनों को आजीविका से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ सकें। मुख्य सचिव ने प्रदेश में ट्रैकिंग पॉलिसी तैयार कर शीघ्र लागू किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभाग को ट्रैकिंग पॉलिसी अगस्त माह तक कैबिनेट में प्रस्तुत किए जाने का लक्ष्य दिया। बर्द्धन ने कहा कि प्रदेश में ट्रैकिंग के लिए नई चोटियों को भी खोला जाए। इसके लिए सभी आवश्यक अनुमतियों एवं मंजूरियों की प्रक्रिया को तत्काल शुरू किया जाए। बर्द्धन ने उत्तराखण्ड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चिन्हित चोटियों का ऑडिट कार्य में तेजी लाते हुए शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने फॉरेस्ट के अंतर्गत सभी माउंटेनियरिंग, ट्रैकिंग, टूरिस्ट साईट्स एवं वन विश्राम गृहों आदि की सभी प्रकार की बुकिंग्स को ऑनलाईन मोड पर किए जाने के निर्देश भी दिए।

कहा कि इससे क्षमता से अधिक बुकिंग को रोका जा सकेगा। उन्होंने जबरखेत मॉडल के अनुरूप विकसित की जाने वाली 9 साईट्स को अक्टूबर माह तक लोकार्पित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में फॉर्मल नेचर गाईड ट्रेनिंग की व्यवस्था शुरू किए जाने की भी बात कही।

कहा कि प्रदेश में इसके लिए स्थायी ट्रेनिंग सेंटर और पाठ्यक्रम निर्धारित किया जाए। बर्द्धन ने इसके लिए भारत सरकार द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के साथ ही कुछ अतिरिक्त पाठ्यक्रम जोड़ते हुए सर्टिफिकेशन कोर्स शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अक्टूबर में वाईल्ड लाईफ के वीक के अवसर पर इसे शुरू किए जाने का लक्ष्य दिया। मुख्य सचिव ने वन विश्राम गृह एवं ट्रेकिंग के लिए चिन्हित 31 साइट्स के साथ इको कैम्प और इको हब के संचालन के लिए वन विभाग और वन निगम में से किसी एक का चयन करते हुए, एक माह में योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वन प्रमुख (हॉफ) कपिल लाल, सचिव वन सी. रविशंकर, धीराज गर्ब्याल, पीसीसीएफ श्रीमती नीना ग्रेवाल, सीसीएफ इको-टूरिज्म पी.के. पात्रो एवं अपर सचिव हिमांशु खुराना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

साइंस सिटी विद्यार्थियों एवं युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा विकसित करने में भूमिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी : धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने निमार्णाधीन साइंस सिटी परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं प्रस्तावित सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विज्ञान सेतु के अंतर्गत 'विज्ञान वाणी-88.8 MHz', 'विज्ञान दृश्यम' एवं 'विज्ञान धारा' का लोकार्पण करने के साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति पर आयोजित परिसंवाद में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन कहा कि साइंस सिटी केवल एक अवसंरचना परियोजना नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता को नई दिशा देने वाला सशक्त केंद्र बनेगी। यह विद्यार्थियों एवं युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा विकसित करने, अनुसंधान को प्रोत्साहित करने तथा आधुनिक तकनीकों से उन्हें जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा हमारी सरकार उत्तराखण्ड को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के अनुरूप बेहतर मंच एवं संसाधन उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री श्री प्रदीप बत्रा, विधायक श्री सहदेव पुंडीर सहित अन्य गणमान्य जन भी उपस्थित रहे।

हरिद्वार के रोशनाबाद में 555.15 लाख की लागत से बनेगा प्रदेश का पहला अत्याधुनिक 'प्लेस ऑफ सेफ्टी'

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने हरिद्वार के रोशनाबाद में 555.15 लाख की लागत से बनने वाले प्रदेश के पहले अत्याधुनिक 'प्लेस ऑफ सेफ्टी' का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। यह विशेष केंद्र, राज्य के सभी जनपदों के गंभीर मामलों में न्यायालय में विचाराधीन 16 से 18 वर्ष के किशोरों के लिए बनाया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री श्रीमती आर्य ने कहा कि हमारी संवेदनशील सरकार का मानना है कि किशोर न्याय अधिनियम का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि बच्चों को सुधारकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। 16 से 18 वर्ष की संवेदनशील आयु में गलत संगति या परिस्थितियों के कारण अपराध की ओर बढ़े किशोरों को सामान्य अपराधियों के साथ रखना उनके भविष्य के लिए घातक हो सकता है, इसीलिए हमारी सरकार ने यह पृथक व्यवस्था की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस परिसर को महज एक आवासीय केंद्र न बनाकर ऐसा माहौल दें जो किशोरों की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव लाए। यहाँ विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की व्यवस्था के साथ-साथ अनिवार्य शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास के प्रभावी प्रबंध किए जाएंगे, ताकि यहाँ से निकलने वाला हर किशोर पूरे आत्मविश्वास और हुनर के साथ एक जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज में लौटे। इस अवसर पर माननीय विधायक आदेश चौहान, विभागीय निदेशक बंसीलाल राणा, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण तिवारी सहित विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मीडिया के हस्तक्षेप के बाद जागा प्रशासन, 15 साल पुरानी जलभराव समस्या पर फिर हुई खानापूर्ति

स्थाई समाधान कराने के निदेशों पर, पंप सेट को मोहरा बनाकर वर्षों से बचाव करते आ रहे जिम्मेदार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। मांट ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय पानीगांव द्वितीय में शिक्षकों के मुताबिक पिछले करीब 15 वर्षों से बनी जलभराव की समस्या एक बार फिर चर्चा में है। विद्यालय में जलभराव के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की खबर मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। हालांकि स्थायी समाधान करने के बजाय केवल पंप सेट को मोहरा बनाकर औपचारिक कार्रवाई और खानापूर्ति कर वर्षों से अपना बचाव करते हुए आ रहे हैं। इस बार भी पंप सेट से पानी खींचकर मामले को शांत करने का प्रयास किया गया। स्थानीय ग्रामीणों की समस्या को लेकर प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) अभिमन्यु सेठ मौके पर पहुंचे और नाली निर्माण जैसे स्थायी समाधान के बजाय पंप सेट लगाकर पानी निकलवाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों का कहना है कि इससे कुछ समय के लिए पानी तो निकल जाएगा, लेकिन समस्या फिर पहले जैसी हो जाएगी।

बताया जा रहा है कि पूर्व एसडीएम अभिनव जे. जैन भी अपने कार्यकाल में संबंधित अधिकारियों को नाली निर्माण कर स्थायी जल निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दे चुके थे। इसके बावजूद वर्षों बाद भी नाली का निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल पानी निकासी की फोटो खिंचवाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं, जबकि समस्या जस की तस बनी रहती है।

बीडीओ के निर्देश पर ग्राम सचिव ब्रजेश कुमार पाराशर और लेखपाल नीरज चौधरी ने मौके पर पहुंचकर पंप सेट से जल निकासी का कार्य शुरू कराया। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि जब तक नाली निर्माण कर स्थायी जल निकासी की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक विद्यालय और आसपास के क्षेत्र को हर बरसात में जलभराव का सामना करना पड़ेगा।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं जलभराव की समस्याओं के स्थायी समाधान और जल निकासी के निर्देश पूर्व में ही नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत व ग्राम पंचायत से जुड़े सम्बंधित अधिकारियों को दे चुके हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर उन निदेशों का प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा। उनका आरोप है कि मीडिया के हस्तक्षेप के बाद ही प्रशासन सक्रिय हुआ, अन्यथा वर्षों से चली आ रही समस्या पर किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई।

ग्रामीणों ने मांट विधायक राजेश चौधरी और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह से मांग की है कि केवल अस्थायी जल निकासी के बजाय नाली निर्माण कर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को भविष्य में परेशानी का सामना न करना पड़े।

द्वितीय सौरभ थापा मेमोरियल गोरखा कप' फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। गढ़ी कैंट में 'द्वितीय सौरभ थापा मेमोरियल गोरखा कप' फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह कार्यक्रम हुआ।

समारोह में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सम्मिलित होकर इस टूर्नामेंट में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। समारोह में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि वीर सैनिक सौरभ थापा जी की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता न केवल युवाओं को अनुशासन और खेल भावना की प्रेरणा देगी, बल्कि देशसेवा के लिए भी प्रेरित करेगी।

उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं को निखारने वाली इस शानदार प्रतियोगिता के लिए आयोजकों एवं सभी खिलाड़ियों को मेरी ओर से बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

ट्रेड डील एवं बिजली अव्यवस्थाओं को लेकर भाकियू चढ़ूनी की तैयारियां हुई तेज

14 को चीफ इंजीनियर बिजली विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन, 15 को अमरीका भारत ट्रेड डील के विरोध में बाइक रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। 15 जुलाई को प्रस्तावित अमरीका भारत ट्रेड डील के खिलाफ भाकियू चढ़ूनी बाइक रैली एवं 14 जुलाई 26 को बिजली अव्यवस्थाओं को लेकर चीफ इंजीनियर कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा, इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को बलदेव के अवैरनी कैंप कार्यालय पर राधेश्याम सिकरवार की अध्यक्षता में बैठक कर भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर विस्तार से चर्चा की गई। आगरा मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर ने जिला अध्यक्ष संजय पाराशर, मंडल उपाध्यक्ष हरिपाल सिंह परिहार ने कहा अमरीका भारत प्रस्तावित ट्रेड डील के खिलाफ गोवर्धन तहसील एवं महावन तहसील तक बाइक रैली निकाल ट्रेड डील का विरोध किया जाएगा। प्रदेश महासचिव सतीश, प्रदेश सचिव कुंतभोज, सोनवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर, तुलसी दास ने कहा कि यह ट्रेड डील किसानों, पशुपालकों, छोटे व्यापारियों तथा देश की खाद्य एवं आर्थिक संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा है। यदि यह समझौता लागू होता है तो भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए इस समझौते का पुरजोर विरोध किया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने बिजली की अव्यवस्थाओं को लेकर आक्रोश जताया। मंडल प्रवक्ता गौरव तोमर, जिला उपाध्यक्ष सोनवीर सिंह ने कहा बिजली विभाग में अधिकारी मनमानी कर रहे हैं, उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। समय पर बिजली बिल नहीं बन रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अघोषित कटौती ने लोगों की नाक में दम कर दिया है, बैठक में योगेन्द्र सिंह महावीर सिंह, रामप्रकाश पुजारी, हरिओम सिंह परिहार, कन्हैया , पंचम सिंह, राजू, बच्चू , महेंद्र सिंह, बीरो, शिवकुमार, नरेश, धर्मवीर, प्रीतम, नरेश, महाराज सिंह, प्रमोद, रामकुमार, रामशरण , छत्रर सिंह, भरत , रामशरण, रिशाल आदि मौजूद रहे। संचालन जिला अध्यक्ष संजय पाराशर ने किया।

बिजली विभाग को मासूमों की जान से खेलने का इंतजार, स्कूल गेट के बाहर रखा ट्रांसफार्मर दे रहा अनहोनी को न्योता

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। नगर का प्रतिष्ठित विद्यालय मुरारी कुंज सरस्वती विद्या मंदिर दानघाटी रोड मुख्य मार्ग पर स्थित है... प्रकरण यह है कि विद्यालय मे प्री प्राइमरी से 12 तक के लगभग 1200 बच्चे पढ़ते हैं.. विद्यालय के मुख्य द्वार पर बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिसमे आये दिन आग लगने व करंट की घटनायें होती रहती हैं.. उक्त ट्रांसफार्मर को हटाने हेतु कई बार विद्यालय द्वारा मौखिक एवं लिखित आग्रह किया गया है परन्तु वर्तमान तक केवल आश्वासन देकर इति कर किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है, आज भी उक्त ट्रांसफार्मर मे आग लगी थी... ज्ञातवय है कि यह ट्रांसफार्मर बिना विद्यालय की अनुमति के इस स्थान पर लगाया गया है, गोवर्धन मे आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु भी इस मार्ग से गुजरता है, उक्त विद्यालय के मुख्य द्वार पर संघ का कार्यालय भी है, सरकार के बहुत से नेता आये दिन जहाँ आते रहते हैं लेकिन अधिकारियो का इस ओर ध्यान न दिया जाना चिंता का विषय तो है ही तथा नोनिहालो की जान के लिए भी खतरे का विषय है।

लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर वामपंथी दलों ने सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जिला मंत्री श्यामलाल के नेतृत्व में सोमवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन तथा ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के कार्यकताओं ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि देश, विशेषकर उत्तर प्रदेश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, ट्रेड यूनियन अधिकार, संगठन बनाने के अधिकार तथा शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन जैसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर लगातार प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज करने, नजरबंद करने, गिरफ्तार करने तथा केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया गया। वामपंथी दलों ने विपक्षी दलों के साथ भेदभावपूर्ण कार्रवाई बंद करने, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों का आधार कार्ड निःशुल्क बनाने, किसानों की फार्मर आईडी बनवाने में अनियमितताओं पर रोक लगाने तथा सहकारी समितियों पर खाद का उचित वितरण सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही संविदा, आउटसोर्सिंग, रसोइया, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकताओं का न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने की भी मांग उठाई गई।

ध्रुव पब्लिक स्कूल अड़ींग में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ध्रुव पब्लिक स्कूल, अड़ींग में सोमवार को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के लिए पौधे सचिव कोऑपरेटिव बैंक अड़ींग उमेश चन्द तोमर, ग्राम प्रधान श्रीमती स्नेहलता एवं कुंज बिहारी (मास्टर जी) द्वारा उपलब्ध कराए गए।

विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग की सराहना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश चंद यादव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

देसी-विदेशी शराब की दुकानों से स्टेशन रोड बेहाल, जाम और हुड़दंग से राहगीर परेशान

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय के व्यस्ततम स्टेशन रोड पर देसी और अंग्रेजी शराब की दुकानें आमने-सामने नहीं, बल्कि अगल-बगल संचालित होने से आए दिन अव्यवस्था का माहौल बना रहता है।

शाम ढलते ही दोनों दुकानों के बाहर शराब खरीदने और पीने वालों की भीड़ उमड़ पड़ती है, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है और आम राहगीरों का निकलना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन में स्थिति सामान्य रहती है, लेकिन शाम होते ही दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

देसी शराब के ठेके पर मजदूर वर्ग और अंग्रेजी शराब की दुकान पर अन्य लोग जुटते हैं। कई लोग दुकान के आसपास ही शराब का सेवन करने लगते हैं, जिससे आने-जाने वालों को भारी असुविधा होती है।

राहगीरों का आरोप है कि शराब के नशे में आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और हंगामे जैसी घटनाएं भी होती रहती हैं। ऐसे माहौल में महिलाओं, बच्चों और परिवार के साथ गुजरने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्हें हमेशा इस बात का डर बना रहता है कि कहीं कोई नशे में धुत व्यक्ति लड़खड़ाकर उनसे न टकरा जाए।

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनहित और यातायात व्यवस्था को देखते हुए देसी और अंग्रेजी शराब की दोनों दुकानों को स्टेशन रोड से हटाकर किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि आम लोग सुरक्षित और बेखौफ होकर आवागमन कर सकें।

225 ग्राम चरस के साथ शातिर नशा तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक के कुशल निर्देशन में नशीले पदार्थों और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी पर प्रभावी रोकथाम के लिए तीनों जनपदों में विशेष अभियान ऑपरेशन सवेरा- नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के मार्गदर्शन, एसपी सिटी और क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में थाना कुतुबशेर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक शातिर नशा तस्कर को अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया है।

थाना कुतुबशेर के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आज 13 जुलाई 2026 को मानकमऊ खंडहरों से करीब 50 मीटर नहर की तरफ घेराबंदी कर शातिर अभियुक्त अरशद उर्फ कनकटा पुत्र भूरा उर्फ पाल्ली उर्फ फैजान (निवासी मोहल्ला इनाम कॉलोनी, हाल निवासी मोहल्ला नसीर कॉलोनी, थाना कुतुबशेर, सहारनपुर) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर अभियुक्त के कब्जे से 225 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना कुतुबशेर में आरोपी के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है। पुलिस आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है। पकड़ा गया आरोपी अरशद उर्फ कनकटा कुख्यात अपराधी है और उसका लंबा आपराधिक इतिहास है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ थाना कुतुबशेर और थाना कोतवाली मंडी में गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम, आर्म्स एक्ट (आयुध अधिनियम), जानलेवा हमला (धारा 307 भादवि), गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट जैसे संगीन अपराधों के तहत कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं।

वह लगातार क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में लिप्त रहा है। इस नशा तस्कर को दबोचने में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी, उपनिरीक्षक अजयपाल सिंह, उपनिरीक्षक आकाश कुमार, हेड कांस्टेबल रूपेन्द्र सिंह और रिक्रूट कांस्टेबल सुमित कुमार की मुख्य भूमिका रही। एसपी सिटी ने पुलिस टीम की इस त्वरित कामयाबी की सराहना की है।

नाबालिग की हत्या कर शव नहर में फेंकने वाला आरोपी आयान गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर जनपद की थाना बडगाँव पुलिस ने नाबालिग युवती का अपहरण कर उसकी हत्या कर शव को नहर में फेंकने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थाने में तहरीर देकर वादी की नाबालिग लडकी के घर से बिना बताये कही चले जाने के सम्बन्ध में थाना बडगांव पर मुकदमा पंजीकृत कराया था।

गुमशुदा का शव बेलडा नहर से बरामद किया गया। जिसके बाद वादी मुकदमा द्वारा एक अनुपुरक तहरीर गांव के ही लडके पर उसकी पुत्री की हत्या कर शव को नहर मे फेंक देने के सम्बन्ध में दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण तथा क्षेत्राधिकारी देवबंद द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस टीम का गठन कर घटना का सफल अनावरण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक देवबंद के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आज मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त आयान पुत्र साबिर उर्फ शब्बू निवासी ग्राम बेलडा बुजुर्ग थाना बडगांव जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों का एडीएम ने लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बरसात के मौसम में संभावित बाढ़ से सुरक्षा एवं बचाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रकाश ने सोमवार को मेहदावल तहसील क्षेत्र में राप्ती नदी के दाहिने तट पर स्थित करमैनी-बेलौली तटबंध का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्रेनेज खंड-2 के अधीन संचालित नई बाढ़ परियोजनाओं तथा बाढ़ पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। एडीएम ने नवगों, बढ़या ठाठर और बेलौली स्थित बाढ़ चौकियों के स्टोरों का निरीक्षण किया, जहां सीमेंट की खाली बोरियां, नायलॉन क्रेट, ब्रिक रोड़ा तथा गिट्टी-मोरंग सहित अन्य आवश्यक फिल्टर सामग्री पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित पाई गई। उन्होंने अधिशासी अभियंता अजय कुमार, सहायक अभियंता मनीष राय और अन्य अभियंताओं से तटबंध पर चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को तटबंधों की निरंतर निगरानी रखने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मेहदावल अरुण कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तालुका विधिक सेवा समितियों के पदेन सचिवों के साथ आयोजित हुई बैठक

विधिक सेवा से संबंधित स्कीमों तथा ग्राम पंचायत स्तर पर कम्युनिटी मीडियेटर चिन्हित करने के बावत हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह के निर्देशन में आज दिनांक 13 जुलाई 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री सुनील कुमार सिंह द्वारा तालुका विधिक सेवा प्राधिकरण के पदेन सचिवों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक का उद्देश्य राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करना तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना था।

बैठक के दौरान सचिव महोदय ने तालुका स्तर पर विधिक सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने, पात्र व जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क विधिक सेवाएँ पहुँचाने, प्री-लिटिगेशन मामलों के अधिकतम निस्तारण, लोक अदालतों की सफलता सुनिश्चित करने तथा विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर विधिक साक्षरता कार्यक्रमों को गति देने के निर्देश दिये।

इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत स्तर पर कम्युनिटी मीडियेटर चिन्हित करने तथा आगामी विशेष अभियानों, विधिक जागरूकता शिविरों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विधिक साक्षरता कार्यक्रम तथा कमजोर वंचित वर्गों तक विधिक सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

सचिव महोदय ने सभी पदेन सचिवों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराएँ। सभी पदेन सचिवों ने जनसामान्य को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया। इस दौरान तालुका धनघटा से नायब तहसीलदार राजेश मिश्रा, तालुका मेहदावल से नायब तहसीलदार प्रियंका, तालुका खलीलाबाद से नायब तहसीलदार प्रेम नारायण उपस्थित रहे।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में 01 अभियुक्त को 01 किलो 200 ग्राम अवैध गाँजा के साथ किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में जनपद संतकबीरनगर मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली खलीलाबाद उ0नि0 विनय कुमार पाण्डेय, हे0का0 धर्मेन्द्र पाण्डेय, का0 मनीष प्रभात, का0 अनिल कुमार यादव ने 01 अभियुक्त अभिषेक जायसवाल पुत्र राजकुमार जायसवाल निवासी छोटी सरौली थाना कोतवाली खलीलाबाद को कटहरिया पुलिया, शिवसरा के पास से 01 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0स0 629/2026 धारा 8/20 ठऊ्कर एक्ट थाना कोतवाली खलीलाबाद बनाम अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है ।

प्रधानाचार्य को मातृ शोक, शोक की लहर

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। किसान इंटर कॉलेज पचपोखरी के प्रधानाचार्य व मुंडेरी निवासी फिरोज अहमद की माता का निधन हो गया। जिन्हे पैतृक गांव के कब्रिस्तान में सुपुर्द खाक कर दिया गया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री व एएच. एग्री. इंटर कॉलेज उजियार दुधारा के प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी, जिलाध्यक्ष महेश राम, जिला मंत्री गिरिजानन्द यादव, मोहम्मद इश्तियाक अंसारी, फसीहुदीन, मुहम्मद यूनुस, मुहम्मद शाहिद, कमरे आलम सिद्दीकी, अब्दुस्सलाम, ओबैदुल्लाह, जुबेर अहमद, मुहम्मद परवेज अख्तर, ओजैर अहमद, जुनेद अहमद, हकीमुल्लाह, फखरूद्दीन, सबीह अहमद, असादुल्लाह, रफी अहमद अंसारी, नेशनल इंटर कालेज मूड़ाडिहा बेग के प्रधानाचार्य मुजीबुल्लाह, अरशद जलाल कुरैशी, फैयाज अहमद, मंशाउल हक, दी माडर्न पब्लिक स्कूल दुधारा के डायरेक्टर मोहम्मद अहमद आदि ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किये हैं।

स्कूटी चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी की एक्टिवा बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। जनपद की थाना कुतुबशेर पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने वांछित चल रहे एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई होंडा एक्टिवा स्कूटी बरामद कर ली है। पुलिस आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 30 जून 2026 को पीड़ित कोशर अली पुत्र मौ0 इलियास (निवासी मोहल्ला आनंद नगर, थाना कुतुबशेर, सहारनपुर) ने थाने में एक लिखित तहरीर दी थी। इसमें उन्होंने बताया था कि किसी अज्ञात चोर ने उनकी होंडा एक्टिवा स्कूटी चोरी कर ली है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना कुतुबशेर पुलिस ने तत्काल अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में वाहन चोरी व लूट की घटनाओं की रोकथाम और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए जनपदभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी के कुशल नेतृत्व में कुतुबशेर पुलिस ने आज 13 जुलाई 2026 को इस चोरी की घटना का सफल अनावरण कर दिया। पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए वांछित शातिर चोर असद खान पुत्र राशिद खान (निवासी मोहल्ला पठानपुरा, अफगानान मस्जिद वाली गली, थाना सदर बाजार, सहारनपुर) को दबनी कब्रिस्तान के बराबर से जा रहे खड़ंजे पर तालाब के पास से घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

समेकित शिक्षा को धरातल पर उतार रहे करुणापति, कार्यों की चौतरफा सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद में विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और समेकित शिक्षा के लक्ष्यों को धरातल पर उतारने के लिए जिला समन्वयक समेकित शिक्षा करुणापति के प्रयासों की चौतरफा सराहना हो रही है।विभागीय स्तर और स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग द्वारा उनके कार्य व्यवहार और कर्तव्यनिष्ठा को जिले के लिए एक मिसाल बताया जा रहा है। स्थानीय शिक्षकों और शिक्षाविदों का कहना है कि जिला समन्वयक के कुशल निर्देशन में समेकित शिक्षा के तहत संचालित योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंद बच्चों तक पहुँच रहा है। दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिविरों का आयोजन, सहायक उपकरणों का सुचारू वितरण और उनके अनुकूल शिक्षण माहौल तैयार करने में उन्होंने व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। उनके इन संवेदनशील प्रयासों के कारण विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों के नामांकन और ठहराव में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।जागरूक नागरिकों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुसार, करुणापति न केवल प्रशासनिक कार्यों को चुस्ती से निपटाते हैं, बल्कि फील्ड में जाकर जमीनी हकीकत का जायजा भी लेते हैं। उनकी इस कार्यशैली से रिसोर्स शिक्षकों और विभागीय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है। एक संवेदनशील अधिकारी के रूप में उनका यह योगदान समाज के सबसे वंचित वर्ग के बच्चों के भविष्य को संवारने में मील का पत्थर साबित हो रहा है और पूरे शिक्षा विभाग के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है।

विधायक उमर अली खान का विरोधियों पर पलटवार, आरोपों को बताया राजनीतिक साजिश, करेंगे मानहानि का मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बेहट विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमर अली खान ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, बेबुनियाद और राजनीतिक साजिश का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक उमर अली खान ने कहा कि लगभग एक वर्ष पूर्व भी उनके खिलाफ इसी प्रकार के आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया था।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले से अवगत कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासनिक स्तर पर उचित कार्रवाई नहीं होती है तो वह न्यायालय की शरण लेंगे और उपलब्ध ऑडियो तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। उनका कहना था कि किसी भी व्यक्ति को झूठे आरोप लगाकर किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का अधिकार नहीं है। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई आवश्यक है, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी को आर्थिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास न कर सके। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने भी प्रेस वार्ता में कहा कि कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसे मामलों को गंभीरता से ले रही है और तथ्यहीन आरोप लगाने वालों के खिलाफ कानून के दायरे में कार्रवाई की जाएगी। प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक ठाकुर वीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद हाजी फजलुर रहमान, पूर्व सूचना आयुक्त हाफिज उस्मान, पूर्व मंत्री लियाकत अली सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिस्थितिकी तंत्र सन्तुलन में पेड़-पौधों की भूमिका महत्वपूर्ण:- बोहरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बाड़मेर राजस्थान। थार नगरी, बाड़मेर को हरा-भरा बनाने को लेकर सोमवार को जन कल्याण संस्थान एवं सांसियों का तला विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सांसियों का तला गांव में स्टेट अवार्डी शिक्षक व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसके तहत अलग-अलग किस्म के 151 पौधे लगाएं गए। तथा उनके संरक्षण की व्यवस्था की गई। संस्थान के सदस्य सुनिल रामधारी ने बताया कि सांसियों का तला राजस्व गांव को ग्रीन विलेज बनाने को लेकर पिछले कई वर्षों से सतत पौधारोपण किया जा रहा है। जिस क्रम में सोमवार को सांसियों का तला गांव में धन धन सतगुरु आश्रम, विद्यालय परिसर तथा घर-घर पौधारोपण किया गया। तथा पौधारोपण पश्चात पौधों को संरक्षित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में नीम, गुलमोहर, करंज, शीशम आदि किस्म के 151 पौधे लगाएं गए। स्टेट अवार्डी शिक्षक व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि जन कल्याण संस्थान की ओर से जीवों के कल्याण व पर्यावरण संरक्षण को लेकर निरन्तर कार्य किये जा रहे है। अमन ने कहा कि परिस्थितिकी तंत्र के सन्तुलन में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण बहुत महत्वपूर्ण है। पेड़-पौधे पर सभी जीवों का जीवन निर्भर है। इस दौरान मुकेश अमन, सुनिल रामधारी, डालूराम सेजू, राजेश जोशी, उषा जैन, चन्द्रकला सिहाग, सीमा शर्मा, रिया शर्मा, रूपाराम, प्रियंका राठौड सहित बड़ी संख्या में बच्चे व ग्रामीण उपस्थित रहे।

सपा की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान

रेहान खान बोले कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत, बूथ स्तर तक संगठन को करें मजबूत

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित लोहिया भवन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले भर से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने, जनसंपर्क कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों और चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक की शुरूआत संगठनात्मक समीक्षा के साथ हुई, जिसमें बूथ कमेटियों के गठन, सक्रिय सदस्यों की संख्या बढ़ाने तथा गांव-गांव तक पार्टी की पहुंच मजबूत करने पर चर्चा की गई। वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर आम जनता की समस्याओं को सुनें और उनके समाधान के लिए संघर्ष करें।

प्रदेश सचिव रेहान खान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, महिलाओं और वंचित वर्ग की आवाज रही है।

उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाए तथा समाजवादी विचारधारा और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संदेश को घर-घर तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाए।

बैठक में सदस्यता अभियान को तेज करने, बूथ समितियों को सक्रिय करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और जनसंपर्क अभियान को व्यापक रूप से चलाने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से नियमित रूप से गांवों का भ्रमण करने, जनता के बीच संवाद बढ़ाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में जिला महासचिव अंसार महलूद, प्रदेश सचिव यश राज, प्रदेश सचिव रेहान खान, भूपेंद्र सिंह वर्मा, के.आर.ए. उस्मानी, सुनील लाला, पूर्व विधायक राम सरन, अरुण मौर्य, नरेश यादव, शेखू मिर्जा गुफरान अंसारी, फुरकान अंसारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में सभी ने एकजुट होकर समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कालानमक चावल ट्रेड के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 21 से 24 जुलाई तक

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) टूलकिट एवं प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत कालानमक चावल ट्रेड में लाभार्थियों के चयन के लिए साक्षात्कार 21 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी उपायुक्त उद्योग अधिकारी शिवशंकर कुमार, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने दी है। उपायुक्त उद्योग के अनुसार साक्षात्कार के लिए गठित समिति की बैठक प्रतिदिन अपराह्न 12 बजे जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, सिद्धार्थनगर में होगी। योजना के तहत आवेदन करने वाले सभी पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक अभिलेखों सहित उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग लेने की अपील की गई है, ताकि चयन की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जा सके।

विकास के दावों के बीच गंदगी और जलभराव से जूझती बदहाल व्यवस्था

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। एक ओर जहाँ सरकार कृषि मंडियों के आधुनिकीकरण और उन्हें स्वच्छ बनाने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं जहांगीराबाद मंडी की वर्तमान स्थिति इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। आज यह मंडी अपनी सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि यहाँ फैली गंदगी और बदहाल बुनियादी ढांचे के कारण चर्चा का विषय बनी हुई है।

मंडी के मुख्य द्वार से प्रवेश करते ही जो चीज सबसे पहले आपका स्वागत करती है, वह है चारों तरफ फैली भीषण दुर्गंध। मंडी परिसर में लगे कूड़े के ढेर ने इसे एक कचरा घर में तब्दील कर दिया है। व्यापारियों और किसानों का कहना है कि यहाँ से उठने वाली बदबू के कारण कुछ देर खड़ा रहना भी दूभर हो गया है। गंदगी का यह आलम न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि यह मंडी की स्वच्छता व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

केवल गंदगी ही नहीं, बल्कि मंडी परिसर में भरा हुआ पानी भी एक गंभीर समस्या बन चुका है। मंडी का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न दिखाई दे रहा है, पानी जमा होने के कारण यहाँ मच्छरों और बीमारियों के पनपने का खतरा भी बना हुआ है।

मैदान में भरा पानी और उसमें तैरता कचरा बदइंतजामी की स्पष्ट तस्वीर पेश कर रहा है। मंडी परिसर की दयनीय स्थिति का फायदा उठाकर यहाँ लावारिस मवेशियों का भी जमावड़ा लगा रहता है। ये मवेशी न केवल गंदगी फैलाते हैं, बल्कि आवाजाही में भी बाधा उत्पन्न करते हैं।

स्थानीय लोग और यहाँ व्यापार करने वाले व्यापारी प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द मंडी परिसर की साफ-सफाई करवाई जाए, जलभराव की निकासी का स्थायी समाधान ढूंढा जाए और कूड़े के निस्तारण की उचित व्यवस्था की जाए ताकि मंडी को फिर से एक सुरक्षित और स्वच्छ व्यापारिक स्थल बनाया जा सके। वहीं मंडी सचिव धीरज कुमार ने बताया कि इस संबंध में संबंधित कर्मचारियों और सफाई टीम को स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं। मंडी परिसर की पूर्ण सफाई और कचरे के उठाव का कार्य शाम तक अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाएगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के चलते रालोद महिला विंग की समस्त कार्यकत्रियों के नेतृत्व में आनंद विहार में हुआ पौधारोपण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद मैं भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देशव्यापी स्तर पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण को स्वच्छ, हरा-भरा और समृद्ध बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) महिला विंग की जिलाध्यक्ष डॉ प्रियंका के नेतृत्व में आनंद विहार कॉलोनी में एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन।कार्यक्रम के दौरान रालोद महिला जिलाध्यक्ष और उनकी टीम के कार्यकताओं ने कॉलोनी के विभिन्न पार्कों और खाली स्थानों पर फलदार, छायादार और औषधीय पौधे लगाए इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रालोद महिला जिलाध्यक्ष ने कहा ग्लोबल वार्मिंग और बदलते मौसम के चक्र को देखते हुए पर्यावरण का संरक्षण करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन चुकी है।

भारत के प्रधानमंत्री का 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के चलते हमें अपनी धरती मां और अपनी जन्म देने वाली मां, दोनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है उन्होंने आगे कहा कि केवल पौधा लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि एक मां की तरह ही उन पौधों की देखरेख और उनका पालन-पोषण करना भी हम सभी का दायित्व बनता है कार्यक्रम में आनंद विहार कॉलोनी के गणमान्य नागरिकों और महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रालोद महिला टीम की इस पहल की सराहना करते हुए स्थानीय निवासियों ने लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने और उन्हें नियमित रूप से पानी देने और उनकी देखरेख का भी संकल्प लिया। इस मौके पर रालोद महिला विंग की कई पदाधिकारी,स्थानीय समाज सेवी और भारी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही।

ट्रेन की चपेट में आने से मृतक भाई-बहन के घर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष परिवार को बांधे ढांढस

वेलकम इंडिया संवाददाता

कछवांरोड़। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के राजपुर गांव (मिजार्मुराद) और मिजार्पुर बार्डर पर बीते 8 जुलाई को रेलवे लाइन क्रॉस करते समय वाराणसी-प्रयागराज जा रही ट्रेन की चपेट में आ जाने से आषाढ़ गांव (मिजार्मुराद) निवासी हीरामणि उर्फ मन्ना पाल की बड़ी पुत्री अनुराधा उर्फ अन्नू और सबसे छोटे पुत्र राम रतन उर्फ टिंकू की दर्दनाक मौत हो गया था।परिवार में एक साथ भाई-बहन के मौत से दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा था।जिसकी सूचना पर सोमवार को वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल मृतक के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को ढांढस बधाते हुए हर संभव मदद का आश्वास देते हुए मृतक के परिवार को सहायता राशि दिलाने हेतु एसडीएम राजातालाब शांतनु सिनसिनवार से वार्ता किया।वही पाल बस्ती में आने जाने के लिए कोई रास्ता न होने की बात ग्रामीणों द्वारा बताया गया जिसपर जिलाध्यक्ष ने कहां जल्द रास्ते का निस्तारण करवाया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय राज यादव, भाजपा नेता संदीप सिंह 'मिंटू', अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', अधिवक्ता धीरज सिंह, बसंता लाल पाल, हरीश पाल, वीरेंद्र पाल, अश्वनी यादव, ओमप्रकाश पटेल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सोनम वांगचुक का आमरण अनशन तत्काल समाप्त कराएं प्रधानमंत्री जी: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपील की है कि देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद, पर्यावरणविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का पिछले बारह दिनों से चल रहा आमरण अनशन तत्काल समाप्त कराने के लिए सरकार सकारात्मक पहल करे तथा उनकी लोकतांत्रिक और संवैधानिक मांगों पर गंभीरता से विचार करे।

मो0 अरशद खान ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी नागरिक को अपनी जायज मांगों के समर्थन में आमरण अनशन करने के लिए विवश होना उचित नहीं है। सरकार का दायित्व है कि वह संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकाले और देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं का सम्मान करे।

उन्होंने कहा कि लद्दाख की जनता लंबे समय से अपनी पहचान, संस्कृति, पर्यावरण तथा स्थानीय संसाधनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। इसलिए केंद्र सरकार को लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने तथा भारतीय संविधान की छठी अनुसूची (Sixth Schedule) में शामिल करने की मांग पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि वहां के जनजातीय समुदायों के अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों, भूमि और सांस्कृतिक विरासत की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद, सहमति और संवैधानिक समाधान ही सबसे प्रभावी मार्ग हैं। सरकार को सभी संबंधित पक्षों से वार्ता कर ऐसा समाधान निकालना चाहिए जिससे लद्दाख की जनता का विश्वास मजबूत हो और क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त हो। उन्होंने अपने पत्र में यह भी कहा कि देश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार पेपर लीक की घटनाओं से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने इस संदर्भ में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाकर निष्पक्ष एवं जवाबदेह कार्रवाई करने की मांग भी की।

मो0 अरशद खान ने घोषणा की कि 14 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे उनके नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पहुंचकर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन के समर्थन में शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक एकजुटता व्यक्त करेंगे तथा केंद्र सरकार से शीघ्र वार्ता कर अनशन समाप्त कराने की अपील करेंगे। उन्होंने देशवासियों से भी आह्वान किया कि लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक अधिकारों तथा शांतिपूर्ण जनआंदोलनों के सम्मान में अपनी आवाज बुलंद करें और सरकार से आग्रह करें कि संवाद के माध्यम से लद्दाख सहित देश के सभी क्षेत्रों की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए न्यायपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कांवड़ मार्ग पर लगाए जाएं दिशासूचक बोर्ड व चेतावनी संकेत : ए के शाही

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। क्षेत्राधिकारी यातायात अनिल कुमार शाही ने थाना स्याना क्षेत्रान्तर्गत कांवड़ यात्रा मार्ग एवं यातायात व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण करते हुए अधीनस्थों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्ग पर दिशासूचक बोर्ड व चेतावनी संकेत लगाए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण कर लिए जाएं तथा किसी भी स्थान पर अनावश्यक जाम की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। निरीक्षण के दौरान सीओ ट्रैफिक द्वारा कांवड़ मार्ग पर यातायात संचालन, बैरिकेडिंग, डायवर्जन व्यवस्था, पार्किंग स्थलों, संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा प्रमुख चौराहों का गहनता से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त संख्या में बैरिकेडिंग, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल एवं यातायात कर्मियों की प्रभावी तैनाती सुनिश्चित किए जाने तथा आवश्यकता पड़ने पर निर्धारित डायवर्जन योजना के अनुरूप यातायात का संचालन कराए जाने के निर्देश भी दिए गए। कहा कि भारी वाहनों के आवागमन को निर्धारित समय एवं वैकल्पिक मार्गों के अनुसार संचालित किया जाए, ताकि कांवड़ियों एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कंपास मशीन की चपेट में आने से किसान की दर्दनाक मौत परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सरावा में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है जहां खेत पर काम करते समय धान काटने वाली कंपास मशीन की चपेट में आने से एक 52 वर्षीय किसान की मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे परिवार में शोक की लहर है कम्पास मशीन की चपेट में आने से हुआ हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव सरावा निवासी बिन्नामी सिंह 52 वर्ष पुत्र पर्मा सिंह रविवार को अपने खेत पर धान काटने वाली मशीन से काम कर रहे थे इसी दौरान अचानक पैर फिसलने या कपड़ा फंसने के कारण वह मशीन की चपेट में आ गए हादसा इतना भीषण था कि मशीन के भीतर आने से किसान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई मौके पर पहुंची पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई स्थानीय लोगों द्वारा तुरन्त इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरन्त मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को मशीन से बाहर निकाला और अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है परिवार में मचा कोहराम किसान की अचानक हुई इस मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है गांव के लोगों का कहना है कि बिन्नामी सिंह एक मेहनती किसान थे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

अस्थाई गो आश्रय स्थल पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। विकास खण्ड नूरपुर की ग्राम पंचायत मिजार्पुर ढीकली में अस्थाई गो आश्रय स्थल पर वृहद पौधारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 500 से अधिक पौधें रोपित कर महर्षि चरक औषधि वन स्थापित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आकांक्षा चौहान, ब्लॉक प्रमुख नूरपुर का डॉ दिनेश पाल शर्मा खण्ड विकास अधिकारी नूरपुर के द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि आकांक्षा चौहान, ब्लॉक प्रमुख नूरपुर के कर कमलों से (एक पेड़ माँ के नाम) आंवले का पौधा रोपित किया गया तथा डा0 दिनेश पाल शर्मा खण्ड विकास अधिकारी नूरपुर ने अमरूद का पौधा रोपित किया तथा ग्रामवासियों के सहयोग से 500 से अधिक औषधीय जैसे अर्जुन, जामुन, आंवला आदि के पौधे रोपित किये गये तथा ग्राम पंचायत मिजार्पुर ढीकली में ग्राम समाज की भूमि में 2500 से अधिक पौधे रोपित किये गये।

इस मौके पर करूणा चौहान सहायक विकास अधिकारी पंचायत, एकेश्वर सुन्दरियाल सहायक विकास अधिकारी कापरेटिव, नीरज कुमार ग्राम पंचायत सचिव, आफताव आलम ग्राम प्रधान पुत्र ने भी पौधारोपण किया।

स्टेज-3 कैंसर को मात देकर गुनिका शर्मा बनीं राष्ट्रीय चैंपियन,अब एशिया में करेंगी भारत का नाम रोशन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के नगर के श्रीमती कमला अग्रवाल गर्ल्स स्कूल की प्रिंसिपल पारूल शर्मा की भतीजी गुनिका ने ब्रेन ट्यूमर और स्टेज-3 कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को मात देकर ताइक्वांडो में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम ऊंचा किया है। महाराष्ट्र के पुणे स्थित श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई राष्ट्रीय पैरा ताइक्वांडो चैंपियनशिप मे इंदौर की गुनिका शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता।

राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर गुनिका का चयन वर्ल्ड पैरा ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

कमला अग्रवाल गर्ल्स स्कूल की प्रिंसिपल पारूल शर्मा ने बताया कि गुनिका महज 3 साल की उम्र में 'मेड्यूलोब्लास्टोमा' यानी ब्रेन ट्यूमर से जूझी थीं।

2009 का वो दौर बेहद मुश्किल था, जब डॉक्टरों ने भी उम्मीद छोड़ दी थी। ऑपरेशन के बाद गुनिका को 55% शारीरिक अक्षमता और हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन गुनिका ने हार नहीं मानी। गुनिका के इस सफर पर परिवार को भी गर्व है।

गुनिका के दादा रामकिशन शर्मा व दादी रिटायर्ड प्रिंसिपल संतोष शर्मा ने बताया कि तीन साल की उम्र में ऑपरेशन के बाद जब उसे जीवन का दूसरा मौका मिला तो लगा जैसे भगवान ने एक और मौका दिया। आज 20 साल की गुनिका जिंदगी से भरपूर है और सीखने का जज्बा उसमें कूट-कूट कर भरा है।

ममता शर्मसार हापुड़ के रजाकपुर में स्कूल के पास मिली नवजात बच्ची, फरिश्ता बनकर पहुंची कपूरपुर पुलिस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के थाना कपूरपुर क्षेत्र में कलयुगी मां-बाप की क्रूरता और मानवता को शर्मसार करने वाला एक बेहद भावुक मामला सामने आया है। यहाँ के गांव रजाकपुर में एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में पड़ी मिली। हालांकि, सूचना मिलते ही कपूरपुर पुलिस ने जिस तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कदम उठाया, उसने न सिर्फ कानून का फर्ज निभाया बल्कि खाकी का मानवीय चेहरा भी पेश किया है।

झाड़ियों/रास्ते के पास रोती मिली मासूम

जानकारी के अनुसार,कपूरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव रजाकपुर के प्राइमरी स्कूल के पास ग्रामीणों को एक नवजात बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। जब लोग पास पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गए।

कोई कलयुगी अपनी फूल जैसी मासूम बच्ची को लावारिस हालत में खुले आसमान के नीचे छोड़ कर फरार हो चुका था। ग्रामीणों ने बिना देर किए तुरंत इसकी सूचना स्थानीय कपूरपुर पुलिस को दी।

खाकी का मानवीय चेहरा: तत्काल रेस्क्यू और मेडिकल केयर

नवजात बच्ची के लावारिस मिलने की सूचना मिलते ही कपूरपुर थाना पुलिस ने तत्परता की मिसाल पेश की। पुलिस बल चंद मिनटों में ही मौके पर पहुंच गया। तुरंत अस्पताल रवाना ऐसे मामलों में नवजात की जान बचाना सबसे बड़ी चुनौती होती है। पुलिस ने बिना एक पल गंवाए बच्ची को अपनी सुरक्षा में लिया और तुरंत डॉक्टरों की देखरेख में मेडिकल जांच व उपचार के लिए भेजा। ग्रामीणों ने की सराहना: संकट के समय में पुलिस की इस फुर्ती और संवेदनशीलता की ग्रामीण खुलकर तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस जरा भी देर करती, तो मासूम की जान को खतरा हो सकता था।

कलयुगी माता-पिता की तलाश में जुटी पुलिस

इस घटना के बाद से इलाके में तरह-तरह की चचाएं हैं। कपूरपुर थाना पुलिस अब गहन जांच-पड़ताल में जुट गई है। कानूनी कार्रवाई और जांच पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची का जन्म कहाँ हुआ और उसे वहां कौन छोड़कर गया है? इसके लिए आस-पास के अस्पतालों, प्रसव केंद्रों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बच्ची की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मासूम को इस तरह मौत के मुंह में धकेलने वाले दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

दलित युवती हत्याकांड: कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी समेत नेताओं को काशी टोल पर रोका, जंतर-मंतर पर धरने का ऐलान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ मेरठ के ग्राम थरोटा में दलित समाज की युवती की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम समेत कई कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं को पुलिस प्रशासन ने काशी टोल टैक्स पर रोक दिया।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच कहासुनी भी हुई। बार-बार अनुरोध के बावजूद पुलिस ने प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित परिवार से मिलने की अनुमति नहीं दी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ पीड़ित परिवार से मिलने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें भी काशी टोल टैक्स पर रोक दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने घोषणा की कि 27 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर उत्तर प्रदेश में दलित समाज पर बढ़ते अपराधों और हत्याओं के विरोध में विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को पीड़ित परिवार से मिलने से रोक रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और पुलिस के इस रवैये की कांग्रेस पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है। पीड़ित परिवार से मिलने के लिए अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा, बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया, सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद, राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी प्रदीप नरवाल सहित सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे थे। इस दौरान नोएडा कोऑर्डिनेटर नरेश भाटी, जिला महासचिव गौरव गर्ग, गोपाल भारती, महबूब अली सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

एसआरएम मोदीनगर कॉलेज में बी.फार्म के विद्यार्थियों हेतु आठवें इंडक्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर परिसर स्थित एसआरएम मोदीनगर कॉलेज ऑफ फामेर्सी द्वारा नवप्रवेशित बी.फार्म (2026-27) के विद्यार्थियों का महादेव लाल श्रॉफ ऑडिटोरियम में आठवें इंडक्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, व्यावसायिक नैतिकता, संस्थागत मूल्यों तथा फामेर्सी क्षेत्र में उपलब्ध भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण, दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का सम्मान किया गया। स्वागत भाषण डॉ. मनीष पाल सिंह, प्राचार्य (प्रभारी), फामेर्सी विभाग द्वारा दिया गया, जिन्होंने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, नवप्रवेशित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का हार्दिक स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. रोहित जोशी, प्रधान वैज्ञानिक, प्लांट टिशू कल्चर प्रयोगशाला, जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान की भावना, नवाचार तथा व्यावसायिक नैतिकता को अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री रमेश कुमार गुलेरिया, क्यूसी एवं साइट हेड, प्लिका वैक्सीन्स प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद ने औषधि उद्योग के वर्तमान परिदृश्य, गुणवत्ता नियंत्रण, उद्योग की अपेक्षाओं तथा रोजगार की संभावनाओं पर अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को उद्योग के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का संदेश दिया।

प्रो. (डॉ.) ए. गीता भवानी, डीन (रिसर्च),डॉ. मुदित दीक्षित, प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर,डॉ. प्रशांत कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोथ कुमार एम, मुख्य परीक्षा अधीक्षक ने ह्यपीसीआई मानकों के अनुरूप परीक्षा प्रणालीह्व पर विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त किशोर कुमार राय एवं सुश्री शालिनी शर्मा, प्रथम वर्ष बी.फार्म के मेंटर्स ने ह्यअपने मेंटर्स को जानिएह्व सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को मेंटरशिप प्रणाली से परिचित कराया।

डॉ. मुदित दीक्षित, प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर ने ह्यवैश्विक करियर के लिए फार्मासिस्टों का निर्माणह्व विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया।कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. सचिन सिरोही, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर ने ह्यस्टार्ट-अप इकोसिस्टम एवं नवाचारह्व विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। डॉ. पल्लवी जैन, छात्र कल्याण प्रमुख ने ह्यकैंपस : घर से दूर एक दूसरा घरह्व विषय पर विद्यार्थियों को संस्थान के छात्र-केंद्रित वातावरण से अवगत कराया।

महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में 15 जुलाई को अनुमोदित पुस्तकों की बिक्री हेतु पुस्तक मेले का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, सारा रोड, गोविंदपुरी, मोदीनगर में दिनांक 15 जुलाई 2026 (बुधवार) को माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित पुस्तकों की बिक्री हेतु पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अंशु सिंह ने बताया कि इस पुस्तक मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उचित एवं विभाग द्वारा अनुमोदित रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है। मेले में कक्षा 9 से 12 तक की सभी विषयों की पुस्तक उपलब्ध होंगी।उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पुस्तक मेले में पहुँचकर विभाग द्वारा मान्य कम कीमतों पर उपलब्ध उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों का लाभ उठाएँ जिससे छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न ना हो।

लायंस क्लब मोदीनगर सेंट्रल ने शिक्षाविदों और मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लायंस इंटरनेशनल मंडल 321उ1 के गवर्नर लायन आदित्य गुप्ता के 'एक दिन, एक एक्टिविटी' अभियान के अंतर्गत लायंस क्लब मोदीनगर सेंट्रल ने लायंस ओलंपियाड फाउंडेशन के तत्वावधान में सम्मान समारोह आयोजित किया।समारोह में दयावती मोदी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. वी.के. राणा को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'भारत शिक्षा रत्न सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. राणा का शिक्षा के प्रति समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा 10 के मेधावी विद्यार्थियों अभिराज राणा, कामिका सोम और प्रखर को भी उनकी शानदार शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने और जीवन में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लायंस क्लब मोदीनगर सेंट्रल के अध्यक्ष डॉ. जी.एस. सचदेवा, सचिव निशांत अग्रवाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन अंकुर सक्सेना सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर 20 जुलाई को सड़क जाम की दी चेतावनी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पुरुषार्थ कांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक का अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने को लेकर चौथे दिन भी आममरण अनशन जारी रहा।

संगठन के पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। जिसमें अवैध अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर 20 जुलाई को सड़क जाम की चेतावनी दी गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि पुरुषार्थ कांतिकारी संगठन मोदीनगर सिखैडा रोड पर सडक अतिक्रमण हटवाने हेतू तहसील प्रागण में 11.05.2026 से 09 दिन धरना दिया।

जिस पर उपजिलाधिकारी मोदीनगर व अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गाजियाबाद द्वारा एक माह के अंदर उपरोक्त अतिक्रमण हटवाने का आश्वासन देकर घरना स्थगित कराया ।लेकिन अभी तक उपरोक्त मार्ग अतिकण मुक्त नही कराया गया।

पुनः आमरण अनशन 10.07.2026 से लगातार तहसील में चल रहा है। अगर जल्द से जल्द अवैध अतिक्रमण नहीं हटवाया तो विवश होकर संगठन 20.07.2026 को मोदीनगर तहसील के सामने रोड जाम कर तहसील प्रशासन का ध्यान आकर्षित करेगा।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी जी कॉलेज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित 'वृक्षारोपण महाअभियान-2026' एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी जी कॉलेज, मोदीनगर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। यह अभियान प्रदेश में हरित आवरण बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने तथा जनसामान्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पर्यावरण कॉर्डिनेटर डॉ नूतन सिंह, चित्रकला विभाग डॉ ऋषिका पाण्डेय, इतिहास विभाग रश्मि चौधरी संस्कृत विभाग मंजू कनौजिया, हिंदी विभाग डॉ गीता त्यागी, डॉ चेतना, डॉ राखी मित्तल, डॉ मीनू अग्रवाल, अनीता खन्ना, रूबी, खुशबू त्यागी, गायत्री, आशी, गार्गी गुप्ता, कार्यालय अधीक्षक श्री रवींद्र कुमार, उद्यान संरक्षक श्री रामदयाल एवं छात्राओं में प्राची, शीतल, सोनम, नैंसी, काजल आदि ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ हुआ। महाविद्यालय परिवार ने समाज के प्रत्येक नागरिक से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का आग्रह किया, जिससे उत्तर प्रदेश को हरित एवं पर्यावरण-संपन्न बनाने के संकल्प को साकार किया जा सके।

मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार के संपूर्ण प्रदेश में सामूहिक स्तर वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसे प्राप्त करने हेतु प्रत्येक संस्थान में वृक्षारोपण किया जा रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने महाविद्यालय के प्रांगण वृक्षारोपण कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम महाविद्यालय की 'पर्यावरण एवम्-वृक्षारोपण समिति' के तत्वाधान में किया गया। समिति की समन्वयक प्रो. वसुधा शर्मा ने बताया कि वृक्षों के द्वारा पर्यावरण को पुनर्जीवन प्रदान करने का कार्य करता है यह हमारा नैतिक एवम् मानवीय दायित्व है कि पर्यावरण को सशक्त बनाए रखें। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवम् समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. अमर सिंह कश्यप ने बताया कि कैम्पस में 160 पौधों का रोपण किया गया जिसमें 40 पौधे फलदार वृक्ष के, 20 औषधीय, 40 पौधे एस्थेटिक, अन्य प्रकार के 60 वृक्ष लगाए गए।

दिल्ली मंडल के मोदीनगर रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित किया गया

स्टेशन का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया गया है

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया गया है। मोदीनगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 25.75 करोड़ रुपये के बजट से किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे की एक प्रमुख परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य संपर्क और पहुंच में सुधार के इरादे से देश भर के रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है।

कुल मिलाकर, अमृत भारत स्टेशन योजना एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारत में रेलवे प्रणाली का उपयोग करने वाले लाखों लोगों को लाभान्वित करेगी। इस योजना की परिकल्पना यात्रियों को सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई है।इससे यात्रियों का यात्रा अनुभव बेहतर होगा। इस परियोजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आसपास के क्षेत्रों से जोड़ना और यात्रियों को बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए इन क्षेत्रों का विकास करना है। इस योजना में संपर्क और पहुंच में सुधार के लिए सड़कों, फुटपाथों और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है।इन स्टेशनों का पुनर्विकास दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के साथ-साथ यात्रियों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने की दृष्टि से किया गया है।

स्टेशन भवन का नवीनीकरण किया गया है। 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) बनाया गया है। एक नया पार्किंग क्षेत्र विकसित किया गया है। एक नया सकुर्लेटिंग एरिया बनाया गया है। एक नया प्रतीक्षालय और शौचालय ब्लॉक बनाया गया है। प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह में सुधार किया गया है। दिव्यांगजनों के लिए व्यापक सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिनमें एंट्री रैंप, टैक्टाइल पाथवे, सुगम्य शौचालय, वाटर बूथ, पार्किंग और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। दो लिफ्ट लगाई गई हैं जो यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को लाभान्वित करेंगी। स्टेशन भवन पर फसाड लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। स्टेशन को सुंदर बनाने के लिए भूदृश्यीकरण कार्य किया गया है।

मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर बने प्रो.जयप्रकाश यादव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर के लम्बे समयांतराल के बाद महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर वंदना शर्मा ने प्रो.जयप्रकाश यादव को चीफ प्रॉक्टर नियुक्त किया है। प्रोफेसर यादव महाविद्यालय को लंबे समय से सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

डॉ. यादव अनुशासन व्यवस्था का उत्तरदायित्व सम्भाल लिया है। इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख सतपाल, कार्यालय कर्मचारी, महाविद्यालय के आचार्यगण भी उपस्थित रहे। जिनमें प्रो. सुबोध राणा, डॉ शिवांगी त्रिवेदी, डॉ प्राची गुप्ता, डॉ पूनम चौधरी, प्रो विजय त्रिपाठी व अन्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. अमर सिंह कश्यप ने बताया कि हर सत्र की भांति इस नए सत्र में भी प्राचार्या डॉ. वंदना शर्मा द्वारा विभिन्न समितियों, सेल और क्लबों का गठन किया है।

जो सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया होती है तथा समय समय पर सरकार और प्रशासन द्वारा निर्देशित आवश्यक विधायी कार्यों का निर्वहन इन समितियों द्वारा किया जाता है।

नोएडा में मचा हड़कंप ई-मेल से डीएम कार्यालय को उड़ाने की धमकी

बॉम्ब स्क्वाड, डॉग स्क्वाड और फायर टीम ने खंगाला परिसर, जांच में नहीं मिला कोई विस्फोटक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय को सोमवार को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना सूरजपुर पुलिस ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ डीएम कार्यालय परिसर को घेर लिया और सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार, 13 जुलाई 2026 को डीएम कार्यालय में ई-मेल के माध्यम से बम होने की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), एंटी-सबोटाज चेक टीम, डॉग स्क्वाड और फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। सभी टीमों ने पूरे परिसर की बारीकी से जांच की। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह सामान्य है तथा डीएम कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ कर दी गई है। पुलिस ई-मेल भेजने वाले की पहचान और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर माध्यम से भी जांच की जा रही है।

आरना का जन्म दिवस पर आशीर्वाद देकर दी शुभकामनाएं, भंडारे का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव सीकरी कलां की पूर्व प्रधान श्रीमती अंजू त्यागी की प्रपोत्री एवं श्रीमती मानसी त्यागी व अविनाश त्यागी की पुत्री आरना का दूसरा जन्म दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस मौके पर होंडा शोरूम के सामने भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, विवेक भाटी एमडी वुडहिल,पतंजलि के प्रभारी स्वामी आरोग्य देव व प्रदीप कौशिक ने किया।

जिसमें सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली, पूर्व विधायक प्रतिनिधि पिंकल गुर्जर,ब्लॉक प्रमुख राहुल डैनी, गन्ना समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी, प्रदीप त्यागी, गीत कौशिक, पिंकी चौधरी, विवेक भाटी ,कुणाल त्यागी, डा बबली गुर्जर पूर्व जिला पंचायत सदस्य, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, प्रशांत त्यागी, प्रीतम सैनी सभासद, राहुल,जयप्रकाश वशिष्ठ, शैलेंद्र प्रधान,देवव्रत धामा, मनीषा त्यागी, अनिल गौतम जिला पंचायत सदस्य, दिनेश शर्मा, अनुज शर्मा,नितिन, अक्षय, विष्णु उपाध्याय, उत्तम चंदेला, ऋतिक गुर्जर आदि गणमान्य लोगों ने आरना को आशीर्वाद और अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में पधारे सभी गणमान्य लोगों का अविनाश त्यागी ने आभार व्यक्त किया।

एक्स-रे टेक्नीशियन का तबादला बना टीबी मरीजों की परेशानी, प्रतिदिन करीब 50 को एक्स-रे की जरूरत लेकिन सुविधा ठप

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिला क्षय रोग (टीबी) अस्पताल में एक्स-रे टेक्नीशियन के तबादले के बाद मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में एक्स-रे सुविधा प्रभावित होने से टीबी मरीजों को जांच के लिए दूसरे अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इलाज के दौरान आवश्यक एक्स-रे जांच के लिए मरीजों को महर्षि मनोहर लाल (एमएमजी) अस्पताल भेजा जा रहा है, जहां उन्हें दोबारा पर्चा बनवाने और चिकित्सक से एक्स-रे लिखवाने की लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। इससे मरीजों का समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं, वहीं गंभीर मरीजों को घंटों इंतजार भी करना पड़ रहा है। टीबी अस्पताल में प्रतिदिन करीब 200 से 250 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें से औसतन 50 मरीजों को हर दिन एक्स-रे जांच कराने की आवश्यकता होती है। लेकिन अस्पताल में एक्स-रे टेक्नीशियन के संयुक्त अस्पताल में स्थानांतरण के बाद यह सुविधा लगभग ठप हो गई है। ऐसे में मरीजों को मजबूरी में एमएमजी अस्पताल भेजा जा रहा है। मरीजों का कहना है कि टीबी अस्पताल से एमएमजी अस्पताल पहुंचने के बाद भी उनकी परेशानी खत्म नहीं होती। वहां सबसे पहले नया पंजीकरण कराना पड़ता है, फिर डॉक्टर से परामर्श लेकर दोबारा एक्स-रे की पर्ची बनवानी पड़ती है। इसके बाद जांच के लिए लंबी कतार में इंतजार करना पड़ता है।

क्रिसेंट सोसाइटी में विधायक ने विकास कराने का दिया आश्वासन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रताप विहार के सेक्टर 11 स्थित क्रिसेंट सोसाइटी में रविवार रात को एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शहर विधायक संजीव शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरडब्लूए के अध्यक्ष श्यामसुंदर त्यागी ने की। इस मौके पर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि सोसाइटों का विकास कराना पहली प्राथमिकता है। इस दौरान उनसे सोसाइटी में हाई माक्स लाइट लगवाने की मांग की। विधायक ने जल्द मांग पूरी करने को कहा। इस मौके पर सतराम यादव,मेहराज,पवन नायक,रतन,विपिन उज्जवल,राकेश कुमार,नासिर अली,यशपाल,मनीष व मयंक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

'जनसेवा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं' कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अफसरों को चेताया, विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश

अमृत-2 योजना, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति पर हुई गहन समीक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील कुमार शर्मा ने सोमवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यों और जनसेवा से जुड़े विभागों की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता अब स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए और जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक से पूर्व जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों और प्रगति रिपोर्ट का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया। समीक्षा बैठक के दौरान अमृत-2 योजना के अंतर्गत सीवर लाइन से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति पर विशेष चर्चा हुई।

कार्यों की धीमी गति पर कैबिनेट मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन परियोजनाओं का सीधा संबंध आम जनता की सुविधाओं से है, उनमें किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। इस पर जल निगम के अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि संबंधित कार्य आगामी दो माह के भीतर पूर्ण कर लिए जाएंगे। बैठक में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली भी मंत्री के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि उनके जनसंपर्क कार्यालय में सबसे अधिक शिकायतें बिजली आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मर, लो-वोल्टेज और अन्य विद्युत सेवाओं से संबंधित प्राप्त होती हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को फटकार लगाते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार करने और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।

कैबिनेट मंत्री ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को भी सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जनपद की किसी भी सड़क पर गड्ढे दिखाई नहीं देने चाहिए। सड़क मरम्मत और अनुरक्षण का कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने नगर निगम, जल निगम, स्वास्थ्य विभाग और अन्य जनसेवा से जुड़े विभागों को भी पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान मोहन नगर चौराहे की यातायात व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव के कारण लोगों को रोजाना जाम और असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने संबंधित विभागों को संयुक्त रूप से प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके। बैठक को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा जनसेवा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकास कार्यों एवं जनसेवा से जुड़े दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ निभाए तथा जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और शासन की मंशा के अनुरूप विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी परियोजना में अनावश्यक देरी या लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। समीक्षा बैठक में नगर निगम, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए), पर्यटन विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, यूपीसीडा, स्वास्थ्य विभाग, नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में कैबिनेट मंत्री ने सभी अधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी, संवेदनशील और परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाने का आह्वान किया।

हॉर्न की आवाज बनी मौत की वजह!

लोनी में युवक की गोली मारकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार, मुख्य हमलावर फरार

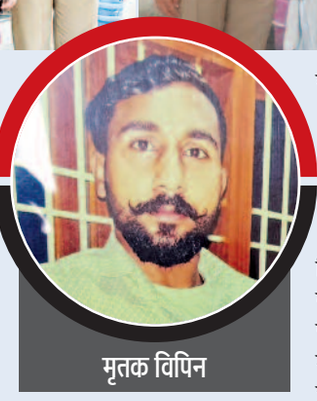

मृतक विपिन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की रतिराम कॉलोनी में बाइक का हॉर्न बजाने को लेकर हुआ मामूली विवाद खूनी वारदात में बदल गया। कहासुनी के बाद 25 वर्षीय विपिन को गोली मार दी गई। गंभीर हालत में उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार, मृतक के भाई आजाद प्रजापति की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। मामले में नामजद आरोपी ब्रह्मपाल (73 वर्ष) और आशा (30 वर्ष) को लोनी बॉर्डर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी सोनू अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात करीब 11:30 बजे गली में बाइक का हॉर्न बजाने को लेकर विपिन और सोनू के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सोनू ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। विपिन को दो गोलियां लगीं, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक विपिन शाहदरा स्थित एक ब्रश बनाने वाली कंपनी में कार्यरत था और परिवार का सबसे छोटा सदस्य था। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में बड़ा भाई और एक विवाहित बहन हैं। बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और फरार मुख्य आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कचहरी परिसर में वकीलों की पार्किंग होगी व्यवस्थित, एक सप्ताह में नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। न्यायालय परिसर के आसपास यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधिकारियों एवं जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिसेन, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात वरुण कुमार सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम शुचिता सिंह तथा यातायात निरीक्षकों ने जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ वकीलों के दुपहिया वाहनों के लिए उपयुक्त पार्किंग स्थल के चयन पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान वर्तमान पार्किंग एवं यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर चयनित पार्किंग स्थल को सुचारु रूप से संचालित किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने से न्यायालय परिसर के आसपास लगने वाले जाम में कमी आएगी, वकीलों एवं आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी तथा यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बन सकेगी।

सिविल डिफेंस को मिलेगा नया विस्तार, गाजियाबाद में मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने 400 से अधिक वार्डनों से किया सीधा संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने सोमवार को हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में सिविल डिफेंस के वार्डनों और स्वयंसेवकों से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में 400 से अधिक वार्डन एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत डिप्टी कंट्रोलर अनुराधा सिंह और चीफ वार्डन ललित जायसवाल द्वारा मंत्री का पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंटकर स्वागत करने से हुई। सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद त्रिपाठी और होमगार्ड कमांडेंट अमित कुमार वर्मा का भी सम्मान किया गया।

अपने संबोधन में मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक समाज की सुरक्षा और सेवा का मजबूत आधार हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में किए गए जेल सुधार, कैदी महिलाओं के बच्चों की शिक्षा, गरीब बंदियों की आर्थिक सहायता, होमगार्ड जवानों के लिए ₹5 लाख तक की कैशलेस मेडिकल सुविधा तथा दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज में सिविल डिफेंस की अलग पहचान बनाने के लिए सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने का आह्वान किया।

सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद त्रिपाठी ने सिविल डिफेंस गाजियाबाद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन लगातार जनसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस दौरान डिवीजनल वार्डनों ने भी मंत्री के समक्ष स्वयंसेवकों की समस्याएं और सुझाव रखे। कार्यक्रम में 26 जनवरी 2026 की गणतंत्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सिविल डिफेंस के वार्डनों को मंत्री ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित अन्य अतिथियों ने भी मंत्री का स्वागत किया। समापन अवसर पर मंत्री धर्मवीर प्रजापति को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया तथा चीफ वार्डन ललित जायसवाल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित वार्डनों-स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

साइबर ठगों का 'कमीशन गैंग' बेनकाब: खातों में मंगाते थे ठगी की रकम, गाजियाबाद से तीन गिरफ्तार

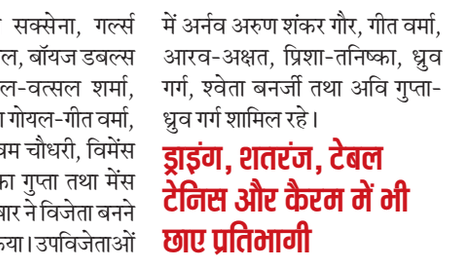

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने साइबर अपराधियों को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराकर ठगी की रकम निकालने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में देश के विभिन्न राज्यों में हुई आठ साइबर ठगी की वारदातों का खुलासा हुआ है, जिनमें करीब 10.18 लाख रुपये की धोखाधड़ी सामने आई है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी फिशिंग, फर्जी गेमिंग ऐप, शेयर ट्रेडिंग में निवेश और नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोहों के लिए काम करते थे। ठगी की रकम अपने खातों में मंगवाकर बैंक से निकालते और बदले में पांच प्रतिशत कमीशन लेते थे। जांच में उनके खातों में 4.15 लाख रुपये की ठगी की रकम आने और निकाले जाने की पुष्टि हुई है। बरामद साक्ष्यों के आधार पर दिल्ली, झारखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और उत्तराखंड के पीड़ितों से हुई साइबर ठगी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

गैस सेवा बंद होने का डर दिखाकर साइबर ठगों ने भेजा फर्जी लिंक, जानकारी भरते ही खाते हो गए खाली

गाजियाबाद। साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला गाजियाबाद का है, जहां आईजीएल (इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड) का गैस कनेक्शन बंद होने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक कारोबारी से 5.52 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पहले गैस कनेक्शन डिस्कनेक्ट होने का फर्जी संदेश भेजा और फिर खुद को आईजीएल का प्रतिनिधि बताकर एक लिंक के माध्यम से बैंकिंग जानकारी हासिल कर ली। कुछ ही मिनटों में कारोबारी के दो बैंक खातों से लाखों रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गगन एन्क्लेव निवासी राजीव कुमार अग्रवाल के मोबाइल फोन पर 27 मई को आईजीएल के नाम से एक संदेश प्राप्त हुआ। संदेश में लिखा था कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर उनका गैस कनेक्शन बंद कर दिया जाएगा। संदेश में एक मोबाइल नंबर भी दिया गया था, जिस पर संपर्क करने के लिए कहा गया था। गैस सेवा बाधित होने की आशंका के चलते राजीव कुमार अग्रवाल ने तुरंत दिए गए नंबर पर फोन किया।

जनसुनवाई में डीएम सख्त, बोले- पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट में सोमवार को आयोजित जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजस्व, बिजली, स्वास्थ्य, निर्माण समेत विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से भूमि विवादों के मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि गरीब, बेसहारा, असहाय, दिव्यांग एवं पात्र लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक कर पात्र लाभार्थियों के आवेदन सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'पीड़ितों को न्याय दिलाना हर अधिकारी की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।' जनसुनवाई के दौरान एडीएम (ई), सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

अथीवा समर कार्निवाल में खेल और कला की प्रतिभाओं ने बिखेरी चमक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। एनएच-9 स्थित लैंडक्राफ्ट सोसाइटी में सामाजिक संस्था 'अथीवा' द्वारा एओए के सहयोग से आयोजित अथीवा समर कार्निवाल-2026 में खेल, कला और सामुदायिक सहभागिता का शानदार संगम देखने को मिला। क्रिस्टल क्लब एवं सिटी क्लब स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित प्रतियोगिताओं में गोल्फ लिंक टाउनशिप की विभिन्न सोसाइटी के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सोसाइटी के वरिष्ठ नागरिक अमर जैन, आर.पी. गुप्ता, महेश शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

बैडमिंटन में रोमांचक मुकाबले

बैडमिंटन प्रतियोगिता के बॉयज सिंगल्स में ईशांत सक्सेना, गर्ल्स सिंगल्स में नैशा गोयल, बॉयज डबल्स में आयान अग्रवाल-वत्सल शर्मा, गर्ल्स डबल्स में नैशा गोयल-गीत वर्मा, मेंस सिंगल्स में शिवम चौधरी, विमेंस सिंगल्स में ज्योतिका गुप्ता तथा मेंस डबल्स में संदीप-तुषार ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। उपविजेताओं में अर्नव अरुण शंकर गौर, गीत वर्मा, आरव-अक्षत, प्रिशा-तनिष्का, ध्रुव गर्ग, श्वेता बनर्जी तथा अवि गुप्ता-ध्रुव गर्ग शामिल रहे।

ड्राइंग, शतरंज, टेबल टेनिस और कैरम में भी छाए प्रतिभागी

ड्राइंग प्रतियोगिता के 5-7 वर्ष वर्ग में जानवी अग्रवाल, 8-11 वर्ष वर्ग में वाणी कपूर तथा 12-15 वर्ष वर्ग में भाव्या गर्ग एवं दुर्वा गर्ग संयुक्त रूप से प्रथम रहीं।

शतरंज जूनियर वर्ग में विराज शर्मा तथा सीनियर वर्ग में दिनेश सहगल विजेता बने। टेबल टेनिस सिंगल्स में वैभव मिश्रा तथा डबल्स में वैभव मिश्रा-वीर रघुवंशी की जोड़ी ने पहला स्थान प्राप्त किया। कैरम जूनियर वर्ग में अरिहंत और सीनियर वर्ग में दिनेश सहगल ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और प्रतिभा का परिचय दिया।

सफल आयोजन में टीम अथीवा और एओए की रही अहम भूमिका

समर कार्निवाल के सफल आयोजन में पूर्व एओए अध्यक्ष सुरेश भटनागर, चंद्रशेखर शर्मा, राजन खन्ना, बेनू सिंघल, राधिका गर्ग, शिप्रा ग्रोवर, अंजुलि भटनागर, कमलेश सिंह, कृपाल सिंह, ध्रुव गर्ग, वैभव मिश्रा, दिनेश सहगल सहित अथीवा के सभी स्वयंसेवकों एवं कार्यकताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर एओए सचिव प्रभात राणा, उपाध्यक्ष अनुज शर्मा तथा कोषाध्यक्ष प्रशांत शर्मा भी मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि 18 जुलाई को सिंगिंग प्रतियोगिता एवं पूल चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी, जबकि 19 जुलाई को समर कार्निवाल के भव्य समापन समारोह में सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सम्मान-पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच ही नहीं देते, बल्कि विभिन्न सोसाइटी के निवासियों के बीच आपसी सौहार्द, सामाजिक जुड़ाव और सामुदायिक एकता को भी मजबूत करते हैं।